जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

जालोर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

जालोर, मंगलवार 19 सितम्बर, 2023

रह गये हैं कम MISS किया तो होगा गम

3 BHK BIG कोठी (EAST FACING) SOLD OUT

4 BHK BIGGER कोठी (EAST FACING) SOLD OUT

FIXED PRICE

NO MIDDLE-MEN DIRECT TO CUSTOMER

KEDIA

सेजस्थान

KOTHI & WALK-UP APARTMENT

अजमेर रोड़, जयपुर

2 साइड ओपन कोठी और फ्लैट्स | 60 एमेनिटीज

PROPOSED FIXED RATE & RENTAL 1.5 गुना

बड़ी-बड़ी कोठी बड़े-बड़े फ्लैट		अगस्त की रेट	सितम्बर की रेट	अक्टूबर की रेट	नवम्बर की रेट	दिसम्बर की रेट	जनवरी की रेट	पजेशन की रेट	POSSESSION DEC. 2025
युनिट टाइप	साइज	NPO NEW PRODUCT OFFER	+5%	+10%	+15%	+20%	+25%	+50%	पजेशन के बाद रैंटल
2 BHK (GF) अपार्टमेंट	1350 Sq Ft	45 L	47.25 L	49.50 L	51.75 L	54 L	56.25 L	67.50 L	22,000
3 BHK (SF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	50 L	52.50 L	55 L	57.5 L	60 L	62.50 L	75 L	25,000
3 BHK (FF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	55 L	57.75 L	60.5 L	63.25 L	66 L	68.75 L	82.50 L	28,000
3 BHK BIG कोठी	2000 Sq Ft	60 L	63.00 L	66 L	69 L	72 L	75 L	90 L	30,000
4 BHK BIGGER कोठी	2325 Sq Ft	70 L	73.50 L	77 L	80.50 L	84 L	87.50 L	105 L	40,000
4 BHK BIGGEST कोठी	3200 Sq Ft	100 L	105 L	110 L	115 L	120 L	125 L	150 L	50,000

KEDIA®

1800-120-2323

info@kedia.com www.kedia.com

www.rera.rajasthan.gov.in | RERA No. RAJ/P/2023/2387

WALKTHROUGH QR CODE | DOWNLOAD BROCHURE | LOCATION QR CODE | ROUTE MAP | SITE TOUR 360 DEGREE

*T&C Apply

विचार बिन्दु

जो वस्तु आनंद प्रदान नहीं कर सकती, वह सुन्दर हो ही नहीं सकती। –प्रेमचंद

समाज से समाप्त होता सार्वजनिक संवाद

हाल ही में आयोजित 20 सम्मेलन में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बहुत ही अच्छी बात कही कि भारत में लोकतंत्र की स्थापना 1947 में इसकी स्वतंत्रता के बाद ही नहीं हुई अपितु यहाँ तो हजारों वर्षों से लोकतन्त्र रहा है। स्वस्थ विचारों की तर्कपूर्ण अभिव्यक्ति और परस्पर संवाद, जिसे पहले शास्त्रार्थ कहा जाता था, उसकी हमारे यहां पर समृद्ध परंपरा रही है। याज्ञवल्क्य- मैत्रेयी और शंकराचार्य- मंडन मिश्र के शास्त्रार्थ तो अविस्मरणीय थे।

आधुनिक लोकतंत्र में भी संवाद के सिद्धांतों को अंगीकार किया गया है। मनुष्य के सोचने की शक्ति सभी प्राणियों में श्रेष्ठ है और इसीलिए वह प्रत्येक विषय पर कई प्रकार के विचार रख सकता है। इनमें से कई विचार विरोधाभासी भी हो सकते हैं। अपने-अपने विचारों को अभिव्यक्त करने की स्वतंत्रता ही स्वस्थ लोकतंत्र की पहचान है।

स्वतंत्रता संग्राम के विभिन्न महापुरुषों में भी, कई विषयों पर विचार वैभिन्य रहा है, किंतु सभी ने एक-दूसरे के विचारों का सम्मान किया है। उदाहरण के लिए रविंद्र नाथ टैगोर और महात्मा गांधी को ही लें। दोनों में अनेक विषयों पर नितांत असहमति थी पर इससे उनके वैयक्तिक सबंधों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। टैगोर जहां एक अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कवि थे और पूरी मानवता को एक दृष्टि से देखते थे वहीं गांधी, स्वतंत्रता आंदोलन के नायक थे। वे राष्ट्रवादी थे और उनका उद्देश्य जनता को संगठित कर देश को अंग्रेज़ों की गुलामी से मुक्त कराना था। गांधी और टैगोर के विचारों में किसी भी विषय पर दृष्टिकोण में कई घोर असमानता होती थी जिसे वह समय-समय पर व्यक्त भी करते रहते थे। इसके लिए टैगोर नियमित रूप से लेख लिखते थे जिन पर गाँधी जी अपनी आलोचनात्मक टिप्पणी से उन्हें अवगत कराते थे।

हाल ही में राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित एक व्याख्यान में अशोका विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर रुद्राक्ष मुखर्जी ने बहुत सुंदर तरीके से गांधी और टैगोर के सार्वजनिक संवाद के बारे में विस्तृत चर्चा की। उन्होंने यह बताया कि किस प्रकार दोनों, अनुशासन को आवश्यक मानते हुए भी, अनुशासन को लाने का तरीका अलग-अलग मानते थे। गांधी जहां इसके लिए नियम और निर्देश की बात करते थे ,वहीं टैगोर का मानना था कि किसी भी व्यक्ति को अपने अंदर से अनुशासन उत्पन्न करने की आवश्यकता है और बाहर से थोपा गया अनुशासन उनके अनुसार सही नहीं था। इसका अनुभव उन्हें तब हुआ जब महात्मा गांधी 1915 में दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटे तो वहाँ की फिनिक्स समिति के विद्यार्थियों को उन्होंने टैगोर द्वारा संचालित शांति निकेतन में पढ़ने हेतु भेज दिया। गांधी जब यहां आए और उन्होंने यह देखा कि अलग-अलग जाति के बच्चे, अलग-अलग पंक्ति में बैठकर भोजन करते हैं तथा बर्तन साफ करने और शौचालय की सफाई के लिए अलग कर्मचारी रखे हुए हैं, तो उन्हें यह बात पसंद नहीं आई। उन्होंने इसके लिए टैगोर को कहा कि आप क्यों नहीं इसके लिए नियम बनाते हैं कि विद्यार्थी अपना सारा काम स्वयं करें। टैगोर ने उन्हें उत्तर दिया कि वे विद्यार्थियों से बात करें और उन्हें इसके लिए प्रेरित करें, यदि वह ऐसा करने के लिए राजी हो जाते हैं तो उन्हें इस पर कोई आपत्ति नहीं होगी किंतु इसके लिए वह कोई निर्देश जारी करना उचित नहीं समझते। गांधी और टैगोर के अहिंसा के बारे में भी काफी अलग-अलग विचार थे। टैगोर और गांधी दोनों एक-दूसरे को पत्र लिखा करते थे और उस पत्र में यह भी लिख देते थे कि वह इस पत्र को सार्वजनिक रूप से प्रकाशित कर रहे हैं।

वर्तमान में क्या यह संभव है कि किसी एक विचारधारा का जनप्रतिनिधि दूसरे विचारधारा के प्रतिनिधि को कोई विरोधी बात लिखे और फिर भी दोनों के बीच में किसी प्रकार की कटुता न हो? सोचिए, क्या प्रधानमंत्री मोदी और विपक्ष के नेता राहुल गांधी में कुछ इस प्रकार का संवाद सम्भव है?आज प्रतिक्रिया, किसी भी व्यक्ति द्वारा व्यक्त किए गए विचार के बारे में न होकर, जिस व्यक्ति ने यह बात कही है, उस पर आक्रमण के रूप में अधिक होती है। यही प्रवृत्ति समाज में स्वस्थ संवाद को बहुत हानि पहुंचाती है। भारत जैसे विविधता पूर्ण देश में, स्वाभाविक है रहन-सहन, खान-पान, बोली-चाली, रीति-रिवाज आदि कई प्रकार के हैं। विभिन्न धार्मिक और सामाजिक उत्सव मनाने के तरीके भी अलग-अलग हैं, जो एक-दूसरे में विवाद तक उत्पन्न करने की संभावना रखते हैं। आज कोई व्यक्ति लेख, साक्षात्कार, व्याख्यान, कार्टून आदि के माध्यम से अपने विचार अभिव्यक्त करता है तो तत्काल ही विपक्षी विचारधारा के व्यक्ति, संबंधित विषय पर अपनी बात कहने के स्थान पर, जिस व्यक्ति ने बात कही है, उसी को ट्रोल करना प्रारंभ कर देते हैं। इसका परिणाम यह होता है कि कई व्यक्ति चाहते हुए भी अपनी बात को अपने तक ही सीमित रखते हैं और उसे सार्वजनिक रूप से अभिव्यक्त करने का साहस नहीं जुटा पाते हैं। सरकार का अधिक दायित्व होता है कि वह विचारों की अभिव्यक्ति के अधिकार की सुरक्षा करे।

स्वतंत्रता संग्राम के विभिन्न महापुरुषों में भी, कई विषयों पर विचार वैभिन्य रहा है, किंतु सभी ने एक-दूसरे के विचारों का सम्मान किया है। उदाहरण के लिए रविंद्र नाथ टैगोर और महात्मा गांधी को ही लें। दोनों में अनेक विषयों पर नितांत असहमति थी पर इससे उनके वैयक्तिक सबंधों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा।

दुर्भाग्य से संवाद के लिए सार्वजनिक स्थान, धीरे-धीरे सिकुड़ता जा रहा है और मानव की प्रवृत्ति भी उदारवादी होने के स्थान पर संकुचित होती जा रही है। अपने विश्वास और अपने विचार के प्रति आस्था रखना अलग बात है, किंतु दूसरे व्यक्ति के विचार और उसकी आस्था को कमतर करके आंकना अलग बात है।

टैगोर और गांधी लगभग एक ही काल खंड में हुए थे। उन्होंने संवाद में जहां एक-दूसरे के ठीक विपरीत अपने विचार रखे थे किंतु इसके बावजूद, दोनों में एक-दूसरे के प्रति सम्मान में किसी प्रकार की कमी नहीं आई।

यहां एक और घटना का उल्लेख करना उचित होगा, जब पुणे में महात्मा गांधी अनिश्चितकालीन उपवास पर बैठे थे और उनका स्वास्थ्य लगातार गिरता जा रहा था। रविंद्र नाथ टैगोर ने अपने सचिव को उनके पास उनके स्वास्थ्य की जानकारी लेने हेतु भेजा और जब लगा कि गांधी का स्वास्थ्य अत्यधिक खराब है तो वह स्वयं शांति निकेतन से चलकर पुणे आए और गांधी जी को अनशन तोड़ने हेतु कहा। गांधी जी ने उनसे कहा कि वह पहले एक कविता उनको सुनाएं, उसके बाद ही वह अपना अनशन तोड़ेंगे। टैगोर ने उसी समय एक कविता 'एकला चालो रे....' बनाई और सुनाई। उसको सुनने के बाद गांधी जी ने टैगोर के हाथों से संतरे का रस पीकर अपना अनशन समाप्त किया। एक दूसरे के प्रति सम्मान की भावना इन दो महापुरुषों कितनी रही थी, इसका अनुमान इस घटना से लगाया जा सकता है।

टैगोर आयु में गांधी से 8 वर्ष बड़े थे और गांधी से सात वर्ष पहले 1941 में दुनिया से विदा भी हो गए। गांधी को जहां विभाजन की विभीषिका और उसके कारण उत्पन्न हिंसा को देखने का कष्ट झेलना पड़ा था वहीं टैगोर यह देखने से पहले ही दुनिया से चले गए। हां, उन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध के विनाश को अवश्य देखा था। 1915 से 1940 के मध्य गांधी और टैगोर के मध्य हुए पत्राचार को पढ़ना आज की पीढ़ी के लिए उपयुक्त होगा। टैगोर को अपने लेख पर गांधी की प्रतिक्रिया की प्रतीक्षा रहती थी। दोनों निर्भीकता से एक-दूसरे के विचारो से असहमति ही प्रकट नहीं करते थे बल्कि इस बात का साहस भी रखते थे कि वह उसे सार्वजनिक करें। किसी भी लेख में एक-दूसरे के प्रति किसी प्रकार की व्यक्तिगत कटुता का कोई भाव कभी नहीं देखा गया चाहे विचारों में भिन्नता कितनी ही क्यों न हो?

आज, संवाद के लिए पुनः ऐसा वातावरण बनाने की आवश्यकता है। इस हेतु पहल, जहां समाज के सभी वर्गों को करनी होगी, वहीं शासन की इसमें प्रमुख भूमिका बनती है। किसी दूसरे के विचारों के प्रति सम्मान रखना अपने विचारों को छोड़ना नहीं होता है। सभी पक्षों के विचार सुनने के बाद यह नागरिकों पर छोड़ देना चाहिए कि वह किस विचार को अधिक उपयुक्त मानते हैं? किसी भी विचार को थोपा जाना लोकतंत्र के लिए बड़ा घातक सिद्ध हो सकता है। जिस देश में इस प्रकार की स्वस्थ एवं समृद्ध परंपरा रही हो, वहां पर संकीर्णता का व्यवहार चिंता का विषय है, जिस पर सभी राजनीतिक दलों के नेताओं, समाज के प्रबुद्ध व्यक्तियों को विचार करने की आवश्यकता है। ऐसा कोई विषय नहीं है, जिसका संवाद के माध्यम से हल नहीं निकल सकता। केवल करना इतना है, कि हमें परस्पर सम्मान की भावना को नहीं छोड़ना है।

यदि हम आगामी चुनावों के समय इस मूल सिद्धांत की पालना कर सकें कि लोकतंत्र में संवाद का स्थान सर्वोपरि है, तो निश्चित रूप से सार्वजनिक बहस का स्वस्थ रूप देश के सामने आएगा और देश के नागरिकों को अपना निर्णय लेने में अधिक सुविधा होगी।

वर्तमान समय में कई विषय हैं जिन पर सार्वजनिक संवाद की अत्यधिक आवश्यकता है- जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था आदि।

क्या शिक्षा ऐसी हो जो केवल कुछ अभिजात्य वर्ग के लोगों को ही अच्छी शिक्षा के अवसर दे या फिर सभी देशवासियों को अपनी पूर्ण क्षमता विकसित करने का अवसर प्रदान करे ताकि वे न केवल राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे सकें अपितु प्रगति का लाभ उठाकर अपना जीवन स्तर बेहतर करने में भी सक्षम हो सकें ?

आर्थिक प्रगति क्या पूर्णतया बाजार आधारित हो जिससे जी डी पी तो तेज गति से बढ़े किन्तु पूँजी का केंद्रीकरण कुछ हाथों में हो या फिर इसकी दिशा समता मूलक समाज का निर्माण करने की हो जिससे सभी नागरिकों की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति हो सके और वे गरिमापूर्ण जीवन जी सकें? इसी प्रकार, क्या स्वास्थ्य व्यवस्था को निजी क्षेत्र के भरोसे छोड़ देना चाहिए जिसमें प्रमुख भूमिका बीमा कंपनियों और कोर्पोरेट अस्पतालों की हो या सबको गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ सुलभ करने की जिम्मेदारी सरकार स्वयं निभाए? क्या हम ऐसा समाज चाहते हैं जो बहुमत वाद पर आधारित हो या फिर ऐसा जिसमें विविधताओं को स्वीकार करते हुए सबको फलने-फूलने का अवसर मिले ?

ये सब ऐसे विषय हैं, जिन पर कई मत हो सकते हैं। किसी प्रकार का मत रखने वाले को यह भय नहीं होना चाहिए कि उसके मत के कारण उसे सरकार या अन्य किसी समुदाय के कोप का भाजन बनना पड़ेगा। ऐसा वातावरण होगा, तब ही लोग उन्मुक्त हो कर अपनी राय व्यक्त करने के लिए प्रेरित होंगे। संवाद, विषय एवं विचारधारा पर केंद्रित होना चाहिए न कि संबंधित व्यक्ति विशेष पर।

देश, वर्तमान में ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां भयमुक्त वातावरण में संवाद को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है ताकि सर्वाधिक उपयुक्त निर्णय लिए जा सकें। यदि आज के नेता, टैगोर और गांधी न भी बन पायें तो उनके उदारवादी परस्पर सम्मान की भावना का अनुसरण तो कर ही सकते हैं।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

नज़र आने लगा है जलवायु परिवर्तन का असर

अविनाश जोशी

जलवायु पारवतन का असर अब धरती से लेकर समुद्र तक स्पष्ट दिखाई देने लगा है। जहां धरती गर्म हो रही है, वहीं समुद्र ठंडा नहीं हो पा रहा है। लिहाजा, मनुष्य समेत अन्य प्राणियों पे इस तापमान वृद्धि का प्रभाव अत्याधिक महसूस हो रहा है। इस गर्मी का सबसे ज्यादा असर अमेरिका और यूरोप में अनुभव किया गया। इसकी वजह मौसम तंत्र का कमजोर होना है, जो ताप को पूरी धरती में बांटता है। एक अन्य अध्ययन से पता चलता है कि दक्षिण एशिया में ग्रामीण एवं शहरी निम्न आय परिवारों में समुचित आवासीय व्यवस्था की गुणवत्ता में कमी होने तथा हवा के आवागमन के अभाव के कारण बाहरी तापमान के मुकाबले घरों के भीतर का तापमान ज्यादा हो गया है। असहनीय बढ़ती गर्मी गरीबी और असमानता को और अधिक बढ़ा कर विकास के प्रयासों को कमजोर कर सकती है।

वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन एक वैश्विक मुद्दे के रूप में उभर कर आया है। जलवायु परिवर्तन कोई एक देश या राष्ट्र से संबंधित अवधारणा नहीं है अपितु यह एक वैश्विक अवधारणा है जो समस्त पृथ्वी के लिए चिंता का कारण बनती जा रही है। देखा जाए तो जलवायु परिवर्तन से भारत सहित पूरी दुनिया में बाढ़, सूखा, कृषि संकट एवं खाद्य सुरक्षा, बीमारियां, आदि का खतरा बढ़ा है। लेकिन चूंकि भारत का एक बड़ा तबका आज भी कृषि पर निर्भर है, इसलिए जलवायु परिवर्तन हमारी कृषि अर्थव्यवस्था पे गहरा प्रभाव डाल सकती है इसलिए हमे कृषि पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को देखना बहुत जरूरी हो जाता है। जलवायु परिवर्तन के कारण विश्व की कृषि अर्थव्यवस्था भी गंभीर मंदी का सामना कर रही है। हालांकि कुछ फसल इससे लाभान्वित भी होंगी किन्तु फसल उत्पादकता पर जलवायु परिवर्तन का कुल प्रभाव सकारात्मक से ज्यादा नकारात्मक होगा। भारत में अगले 25 सालो में जलवायु परिवर्तन के कारण लगभग 6 प्रतिशत से 8 प्रतिशत के बीच उत्पादन के गिरने की संभावना है। एक शोध के अनुसार, यदि वातावरण का औसत तापमान 1 डिग्री सेल्सियस बढ़ता है तो इससे गेहूं का उत्पादन 16 प्रतिशत तक कम हो सकता है। इसी प्रकार 2 डिग्री सेल्सियस तापमान बढ़ने से धान के उत्पादन में भी कमी होने के संकेत है।

शहरी इलाकों में गर्मी की समस्या विशेष रूप से चरम पर है, जहां शहरी ऊष्मा का प्रभाव शहरों को उसके आसपास के इलाकों से ज्यादा गर्म बना देता है वही शहरी गर्मी का प्रभाव प्राकृतिक वनस्पतियों के कंक्रीट एवं डामर से प्रभावित होने और वाहनों, उद्योगों एवं एयर कंडीशनरों से अपशिष्ट ऊष्मा के उत्सर्जन के कारण भी हो सकता है। शहरी गर्मी प्रभावित शहर के भीतर थर्मल असमानताएं भी उत्पन्न करती है इससे गरीब एवं वंचित तबका ज्यादा पीडित होता है।

जलवायु परिवर्तन से पूर्व यह समझ लेना आवश्यक है कि जलवायु क्या होती है? सामान्यतः जलवायु का आशय किसी दिये गए क्षेत्र में लंबे समय तक औसत मौसम से होता है। जब किसी क्षेत्र विशेष के औसत मौसम में परिवर्तन आता है तो उसे जलवायु परिवर्तन कहते हैं। जलवायु परिवर्तन को किसी एक स्थान विशेष में भी महसूस किया जा सकता है एवं संपूर्ण विश्व में भी। यदि वर्तमान संदर्भ में बात करें तो यह इसका प्रभाव लगभग संपूर्ण विश्व में देखने को मिल रहा है।

पृथ्वी का अध्ययन करने वाले वैज्ञानिक बताते हैं कि पृथ्वी का तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है। पृथ्वी का तापमान बीते 100 वर्षों में 1 डिग्री फारेनहाइट तक बढ़ गया है। पृथ्वी के तापमान में यह परिवर्तन संख्या की दृष्टि से काफी कम हो सकता है, परंतु इस प्रकार के किसी भी परिवर्तन का मानव जाति पर बड़ा असर हो सकता है। जलवायु परिवर्तन के कुछ प्रभावों को वर्तमान में भी महसूस किया जा सकता है।

जलवायु को संतुलित रखने में समुंद्र का बड़ा योगदान रहता है। पृथ्वी के 71 प्रतिशत भाग में समुद्र व्याप्त है, जो कि वातावरण तथा ज़मीन की तुलना में दोगुना सूर्य का प्रकाश का अवशोषण करते हैं। वायुमंडल की अपेक्षा 50 गुना अधिक कार्बन डाइऑक्साइड गैस समुद्र में होती है। समुद्री कि लहरों में बदलाव आने से जलवायु प्रभावित होती है।

नए अनुसंधानों से पता चला है कि पिछले पचास वर्षों में समुद्रों में ऐसे क्षेत्रों का विस्तार हुआ है, जहां आक्सीजन की मात्रा में आशातीत कमी दर्ज की गई है। ऐसी आशंका जताई गई है कि इसका सीधा संबंध वैश्विक जलवायु परिवर्तन से है। दरअसल, समुद्र की एक निश्चित गहराई पर आक्सीजन की मात्रा की न्यूनतम परत होती है। यह परत ऊपर-नीचे दोनों तरफ फैल रही है। आमतौर पर जलवायु परिवर्तन के नमूनों से पता चलता है कि मानवीय क्रियाकलापों के कारण समुद्री सतह गर्म होगी, तो समुद्री पानी के मंथन की स्वाभाविक दिनचर्या प्रभावित होगी। ऐसा होने पर भीतर के पानी में आक्सीजन नहीं पहुंचेगी।

जलवायु परिवर्तन में औद्योगिकीकरण की बड़ी भूमिका है। विभिन्न प्रकार की मिलें वातावरण में सल्फर डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन डाइऑक्साइड, कार्बन डाइऑक्साइड तथा अनेक प्रकार की अन्य ज़हरीली गैसें और धूलकण हवा में छोड़ती हैं, जो वायुमंडल में काफी वर्षों तक विद्यमान रहती है। यह ग्रीन हाउस प्रभाव, ओज़ोन परत का क्षरण तथा भूमंडलीय तापमान में वृद्धि जैसी समस्याओं का कारण बनते हैं। वायु, जल एवं भूमि प्रदूषण भी औद्योगिकीकरण की ही देन हैं।

निरंतर बढ़ती हुई आबादी की ज़रूरतों को पूरा करने के लिये वृक्ष काटे जा रहे हैं। आवास, खेती, लकडी और अन्य वन संसाधनों की चाह में वनों की अंधाधुंध कटाई हो रही है, जिससे पृथ्वी का हरित क्षेत्र तेजी से घट रहा है और साथ ही जलवायु के परिवर्तन में तेजी आ रही है।

पिछले कुछ दशकों में रासायनिक उर्वरकों की माँग इतनी तेजी से बढ़ी है कि आज विश्व भर में 1000 से भी अधिक प्रकार की कीटनाशी उपलब्ध हैं। जैसे-जैसे इनका उपयोग बढ़ता जा रहा है वैसे-वैसे वायु, जल तथा भूमि में इनकी मात्रा भी बढ़ती जा रही है, जो कि पर्यावरण को निरंतर प्रदूषित कर घातक स्थिति में पहुँचा रहे हैं।

जलवायु परिवर्तन के कारण कीटों और रोगाणुओं में वृद्धि होती है। गर्म जलवायु में कीट-पतंगों की प्रजनन क्षमता बढ़ जाती है जिससे कीटों की संख्या बहुत अधिक बढ़ जाती है और इसका कृषि पर काफी दुष्प्रभाव पडता है। साथ ही कीटों और रोगाणुओं को नियंत्रित करने की कीटनाशकों का प्रयोग भी कहीं ना कहीं कृषि फसल के लिए नुकसानदायक ही होता है।

मौसम में बदलाव का असर समुद्र की सतह पर भी दिखाई देने लगा है। इस असर से समुद्र की पारिस्थितिकी तंत्र के गड़बड़ाने का संकट है। समुद्र की ऐसी तलहटियों में आक्सीजन की मात्रा कम होती जा रही है, जहां पहले से ही आक्सीजन कम है। समुद्री आक्सीजन की गिरावट जारी रही, तो तय है कि ऐसे समुद्री जीवों के मरने का सिलसिला शुरू हो जाएगा, जिन्हें मनुष्य भोजन के रूप में इस्तेमाल करता है। खाद्यान्न की इस कमी के कारण भी समुद्र तटीय इलाकों से लोगों को पलायन करना पड़ेगा, जो पर्यावरण शरणार्थियों की संख्या में इजाफा करेगा। यह स्थिति समुद्री रेगिस्तान का विस्तार भी करेगी।

अतः कहा जा सकता है कि जलवायु परिवर्तन वैश्विक और भारतीय कृषि व्यवस्था पर वृहद स्तर पर प्रभाव डालता है इस अवस्था में उच्च तकनीकों को अपनाकर कृषि व्यवस्था को जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव से बचाया जा सकता है। ऐसा करना वर्तमान समय की आवश्यकता है अन्यथा भविष्य में इसके घातक परिणाम झेलने पड़ सकते हैं। इसी दिशा में अर्थात भारतीय कृषि को जलवायु परिवर्तन के प्रति अनुकूल और सक्षम बनाने में भारत सरकार द्वारा किये गए प्रयास भी सराहनीय हैं। इस प्रकार कृषि को जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए हमें मिल-जुलकर पर्यावरण को संरक्षित करने के तरीकों को अहमियत देनी होगी ताकि हम अपने प्राकृतिक संसाधनो को बचा सकें और कृषि व्यवस्था को अनुकूल बना सकें।

–अविनाश जोशी,
स्वतंत्र पत्रकार एवं लेखक

विद्यालय की सीढ़ी टूटने से पांच बच्चे घायल, अस्पताल में उपचार जारी

बूंदी, (निसं)। राजकीय भवनों में हो रहे निर्माण कार्यों में व्याप्त भ्रष्टाचार के चलते हो रहे घटिया निर्माण सामग्री के उपयोग की भेंट चढ़ने से विद्यालय के बच्चे उस समय बाल-बाल बच गए, जब विद्यालय की पहली मंजिल से उतरते समय सीढ़ियां धराशायी होकर गिर पड़ी।

घटना सोमवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय झाली जी का बराणा की हैं, जहां अवकाश के बाद बच्चे सीढ़ियों से नीचे उतर रहे थे। घटना के बाद घायल 1 छात्र सहित पांच छात्र छात्राओं को जिला चिकित्सालय बून्दी में उपचार के लिए भर्ती किया गया हैं। जहां जिला कलक्टर डॉ. रविन्द्र गोस्वामी ने पहुंच कर छात्र छात्राओं की कुशलक्षेम पूछी।

कलेक्टर ने अस्पताल पहुंच कर घायल छात्राओं की कुशलक्षेम पूछी।

प्रधानाचार्य निधि छीपा ने बताया कि सोमवार को दोपहर 1 बजे के आसपास अवकाश होने पर 10वीं 11वीं के छात्र-छात्राएं सीढ़ियों से नीचे उतर रहे थे, तभी अचानक सीढ़ियां अपने आप ही नीचे आ गिरी। सीढ़ियों के गिरने से उन पर आ रहे लगभग 7-8 छात्र-छात्राएं भी सीढ़ियों की चपेट में आने से घायल हो गए। जिन्हें तुरंत सीएचसी ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद घायल एक छात्र सहित पांच छात्र-छात्राओं को जिला चिकित्सालय बूंदी के लिए एंबुलेंस में रवाना कर दिया। अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी (माध्य) ओम प्रकाश गोस्वामी ने बताया कि विद्यालय के समीप रहने वाले सेवानिवृत प्रधानाचार्य बजरंग लाल से उक्त घटना की सूचना मिलते ही जिला शिक्षा अधिकारी राजेन्द्र व्यास ने झाली जी का बराणा प्रधानाचार्य से घटना की जानकारी लेकर समसा के सहायक अभियंता अशोक उपाध्याय के साथ तुरंत घटना स्थल के लिए रवाना हो गए। जहां पहुंच कर जिला शिक्षा अधिकारी व्यास ने घटना स्थल का निरीक्षण करते हुए विस्तृत जानकारी ली। घटना की जानकारी मिलने के बाद शाम को जिला कलेक्टर डॉ. रविन्द्र गोस्वामी ने जिला अस्पताल पहुंच कर घायल छात्र छात्राओं से जानकारी और उनकी कुशलक्षेम पूछी।

जिला कलेक्टर डॉ. गोस्वामी ने घटना के बाद छात्र छात्राओं की मदद करने वाले घायल छात्र सुरेश सैनी का नाम वीरता पुरस्कार के लिए अभिशंसित करेन की भी बात कही। इन्होंने चिकित्सा और शिक्षा अधिकारियों से चर्चा कर इनकी देखरेख और उचित उपचार के निर्देश दिए। इस दौरान जिला शिक्षा अधिकारी राजेन्द्र व्यास और अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. धनराज मधुर भी मौजूद रहे।

रणथंभौर त्रिनेत्र गणेश जी का मुख्य मेला आज

सवाईमाधोपुर, (निसं)। रणथंभौर दुर्ग स्थित त्रिनेत्र गणेश जी का तीन दिवसीय लख्खी मेले का आज सोमवार को श्री गणेश हुआ। महंत बृजकिशोर दाधीच ने मंदिर पर ध्वज चढ़ा कर विधि वित पूजा अर्चना कर मेले का श्री गणेश किया। सोमवार से शुरू हुए इस मेले में लाखों की तादाद में भक्त रंणभवर के लाडले तेरी हो जय जयकार, का गुणगान करते हुए पहुंच रहे हैं अनेक जिलों से पैदल यात्राओं के जत्थे डीजे की धुन पर नाचते हुए पहुंच रहे हैं। प्रतिवर्ष भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी पर रणथंभौर मंदिर पर लगने वाले इस मुख्य मेले में लगभग 8 से 10 लाख भक्तों के आने की संभावना है। मेले को लेकर जिला प्रशासन एवं मंदिर ट्रस्ट की ओर से लगभग सभी तैयारियां चाक चोबंद है। गणेश मंदिर के महत्व संजय दाधीच ने जानकारी देते हुए बताया कि रणथंभौर दुर्ग में त्रिनेत्र गणेश जी जो अपने पूरे परिवार रिद्धि सिद्धि एवं पुत्र शुभ लाभ सहित विराजमान है।

विधायक कोष से बने सुलभ शौचालय की हो रही दुर्दशा

सांभरझील, (निसं)। विधायक कोष से निर्मित करवाए गए सांभर के पांच बत्ती चौराहे के उत्तर दिशा की तरफ सुलभ शौचालय अब आम उपयोग के लिए दुर्लभ शौचालय बन चुका है।

पुरुष और स्त्रियों के लिए दो खंडों में बने शौचालय के ताला हमेशा ही लटका मिलता है, अब इसका उपयोग मात्र पेशाब घर के रूप में ही हो रहा है। करीब पांच लाख रुपए खर्च होने के बाद भी यहां पर हाथ धोने की सुविधा नहीं है। जल कनेक्शन की कोई व्यवस्था नहीं है। बताया जा रहा है कि कई महीनों से सुलभ शौचालय की न तो कोई धुलाई की गई है और न ही साफ सफाई का कोई इंतजाम दिखाई दे रहा है। सुलभ शौचालय में शराब की बोतलें रखी हुई हैं, इससे भी सहजता से अंदाजा लगाया जा सकता है कि यहां पर साफ सफाई का कितना ख्याल रखा जाता है।

पेशाब घर के तल में गुटके के खाली पाउच पड़े हुए हैं और लोगों की पीक से आधे से ज्यादा लाल हो गया है। यहां पर लगी टाईल्स उखड़ रही है। अंदर लाइट का कोई इंतजाम नहीं है। पृथ्वीराज सर्किल से लेकर तेली दरवाजा तक अन्य और दूसरा कोई सुलभ शौचालय नहीं है जनप्रतिनिधियों की भी इसमें कोई रुचि दिखाई नहीं दे रही है।

■ लोगों को नहीं मिल रही सुविधाएं, पानी और साफ-सफाई का अभाव

इसी प्रकार पृथ्वीराज सर्किल पर भी बने पेशाब घर भी साफ सफाई के अभाव में सड़ रहा है। इनके ऊपर रखी पानी की टंकी आज तक कभी भरी नहीं गई है केवल दिखाने के लिए रख दी गई है। तेली दरवाजा रोड के अंतिम छोर पर बने पेशाब घर के हाल तो सबसे ज्यादा खराब है। इसके ऊपर लटका बिजली का ट्रांसफार्मर से भी लोगों को डर बना रहता है। सराय स्कूल की पास से जाने वाले रास्ते पर बना पेशाब घर, पुरानी धान मंडी, पुरानी तहसील, सब्जी मंडी के नजदीक तमाम पेशाब घरों की स्थिति बदतर बनी हुई है। नेता प्रतिपक्ष अनिल कुमार गट्टानी का कहना है कि वाकई में यह तो एक बहुत बड़ी गंभीर समस्या है, बाहर से आने वाली महिलाओं के लिए सुविधा समुचित नहीं है। जिम्मेदार विभाग के लिए यह शर्मसार विषय है कि वे अपनी जिम्मेदारी ढंग से नहीं निभा पा रहे हैं। अनेक दफा हमारी ओर से इसके लिए ध्यान भी आकर्षित करवाया जा चुका है, इसके लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे।

सांभर के पांच बत्ती चौराहे पर बने सुलभ शौचालय में जमा गंदगी व रखी शराब की बोतलें।

राशिफल मंगलवार 19 सितम्बर, 2023

पंडित अनिल शर्मा

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, चतुरथी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2080, स्वाती नक्षत्र दिन 1:48 तक, वैधृति योग रात्रि 3:57 तक, विष्टि करण दिन 1:44 तक, चन्द्रमा आज तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-तुला, मंगल-कन्या, बुध-सिंह, गुरू-मेष, शुक्र-कर्क, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज रवियोग दिन 1:48 तक है। कुमार योग दिन 1:48 से आरम्भ होगा। आज भद्रा दिन 1:44 तक रहेगी। आज महागणपति चतुरथी, अगारक चतुरथी, वैधृति पूण्य है। आज सौभाग्य चतुरथी है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 9:19 से 10:50 तक, लाभ-अमृत 10:50 से 1:51 तक, शुभ 3:22 से 4:53 तक।

राहूकालः 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:17, सूर्यास्त 6:24

मेष

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष

मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। मन का भय समाप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

मिथुन

परिवार में शुभ-मांगलिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

कर्क

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। धार्मिक आयोजन में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

सिंह

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिचितों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है।

कन्या

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

तुला

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनःस्थिति में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा।

वृश्चिक

धार्मिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मकर

व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

कुंभ

नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

मीन

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 18 संख्याः 163 प्रभात जालोर, मंगलवार 19 सितम्बर, 2023 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

ना तो शार्क, ना बैराकूडा और ना ही टूना फिश, इनमें से कोई भी समुद्र की सबसे खतरनाक प्रजाति नहीं है। समुद्र के सबसे अधिक प्राणघातक जंतु हैं ''सी हॉर्स।'' आश्चर्यजनक रुप से सी हॉर्स बहुत अच्छे शिकारी होते हैं। इनकी हरकतों को देखकर तो लगता है मानो ये बेहद मासूम और सीधे सादे हैं, इनसे कोई हानि नहीं हो सकती। जब ये तैरते हैं तो लगता है मानो कोई ''मूवमैंट'' ही नहीं कर रहे, पानी के प्रवाह के साथ बहते या उतराते नज़र आते हैं। पर इनकी यही धीमी चाल इनके बहुत काम आती है। चुपचाप अपने शिकार तक पहुँच जाते हैं और आसानी से उसे दबोच लेते हैं, शिकार को खतरे का एहसास तक नहीं हो पाता। समुद्र के एक और नन्हें जीव ''कोप पॉड्स'' बहुत तेज गति से तैरते हैं और परभक्षियों से बच निकलते हैं पर सी हॉर्स से बचना नामूमकिन होता है क्योंकि ये इतनी धीरे-धीरे मूव करते हैं कि पानी में कोई हलचल तक नहीं होती। सी हॉर्स एकदम निकट पहुंच कर अचानक अपना सिर झटक कर कोपपॉड्स को मुँह में दबोच लेते हैं। सी हॉर्स की यह टैक्नीक 90 प्रतिशत बार सफल होती है, इसी लिए ये समुद्र के सबसे खतरनाक परभक्षियों में से एक माने जाते हैं।

कांग्रेस का चतुर दांव, संसद के दोनों सदनों में महिला आरक्षण बिल पेश करने की मांग की

अब अगर केन्द्र सरकार बिल पेश करती है तो, श्रेय कांग्रेस को मिलेगा। अगर केन्द्र सरकार बिल पेश नहीं करती है तो कांग्रेस भाजपा को कटघरे में खड़ा कर सकती है

- गौरतलब है कि, महिला आरक्षण विधेयक राज्यसभा में पारित हो चुका, पर लोकसभा में अभी तक पेश नहीं हुआ है।
- जब कांग्रेस के नेतृत्व वाला यू.पी.ए. गठबंधन सत्तारूढ़ था तब पहली बार महिला आरक्षण विधेयक लाया गया था।
- कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा में और लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने महिला आरक्षण विधेयक पेश करने की मांग की।
- संसद के विशेष सत्र के एजेंडा को लेकर कई अटकलें चल रही थीं, इनमें से एक यह भी थी कि, विपक्ष को मात देने और महिला मतदाताओं की सहानुभूति हासिल करने के लिए भाजपा की केन्द्र सरकार महिला आरक्षण विधेयक ला सकती है।

- जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 सितम्बर। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे तथा लोकसभा में कांग्रेस ग्रुप के नेता अधीर रंजन चौधरी ने सोमवार को अपने -अपने सदनों में महिला आरक्षण विधेयक लाने के लिये दबाव बनाया। इनकी नेता सोनिया गांधी इस विधेयक को लाने के लिये लोकसभा में कई बार दबाव बना चुकी हैं।

यह विधेयक राज्यसभा ने पारित कर दिया था लेकिन पिछले वर्षों में इसे लोकसभा में नहीं लाया गया। कांग्रेस ने कहा, ''हम देश की जनता की तरफ से माँग करते हैं कि यह विधेयक सोमवार से शुरु हुये इस विशेष सत्र में लाया जाये।''

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरु के नेतृत्व में अपनाई गई विभिन्न नीतियों का जिक्र किया तथा कहा कि, सत्तारुढ़ भाजपा ''बड़ी कुर्बानी एवं कठिनाई के बाद अर्जित किये गये संवैधानिक मूल्यों'' को नष्ट करने पर तुली हुई है। उन्होंने सत्तारुढ़ दल से कहा कि वह अपना ध्यान देश की हालत को सुधारने, सहानुभूति दिखाने तथा रोजगार की संभावनाएं पैदा करने के महत्व पर दे। उन्होंने अपने राज्यसभा सम्बोधन में केन्द्र और भाजपा पर जमकर प्रहार किये।

खड़गे ने कहा, नेहरु का मानना था कि, सशक्त विपक्ष के न होने का मतलब है- कि प्रमाली में महत्वपूर्ण कमियाँ हैं। उन्होंने अपने पहले मंत्रिमंडल में कांग्रेस से बाहर के पांच नेता शामिल किये थे, और एक यह मोदी सरकार है, जो प्रवर्तन निदेशालय तथा सी.बी.आई. के जरिये विपक्ष को कमजोर करने में लगी हुई है।

अधीर रंजन चौधरी ने भी नेहरु के शासनकाल की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने संसद और सरकार के

(शेष पृष्ठ 4 पर)

'भाजपा सनातन धर्म का मुद्दा मूल मसलों से ध्यान हटाने के लिए उछाल रही है'

राहुल ने यह कहते हुए नसीहत दी कि, कांग्रेस को भाजपा की इस चाल में नहीं फंसना है

- भाजपा के सांप्रदायिक एजेंडा का जवाब देने के प्रयास में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जात आधारित जनगणना करवाने की मांग उठाई।
- सी.डब्ल्यु.सी. की बैठक में जिन 5 राज्यों में चुनाव होने हैं, उनकी चुनाव तैयारी पर भी फोकस किया गया।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 सितम्बर। नवगठित कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सी.डब्ल्यु.सी.) की हैदराबाद में हुई पहली मीटिंग 17 सितम्बर को समाप्त हो गई। सी.डब्ल्यु.सी. ने पार्टी कार्यकर्ताओं का आव्हान किया कि वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के ''तानाशाही शासन'' को उखाड़ फेंकने के लिये एकजुट हो जायें तथा देश में एक वैकल्पिक सरकार के लिये पूरी मेहनत से काम करें।

16 सितम्बर को शुरु हुई इस मीटिंग में दो दिन तक देश की मौजूदा स्थिति और तैयारियों का जायजा लेते हुए वैचारिक एवं चुनावी मुद्दों पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। सी.डब्ल्यु.सी. ने पाँच राज्यों में जल्दी ही होने वाले विधानसभा चुनावों तथा लोकसभा चुनावों के लिये संगठन की तैयारी तथा तत्परता का जायजा लिया।

जहाँ देश की इस सबसे पुरानी पार्टी ने ''इंडियन नेशनल डवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (आई.एन.डी.आई.ए- इंडिया) के ''निरंतर एकीकरण'' एवं दृढ़ीकरण का स्वागत किया तथा इसे ''सैद्धांतिक एवं चुनावी सफलता'' में तब्दील करने का संकल्प लिया। वहीं, सी.डब्ल्यु.सी. ने इस बात को रेखांकित भी किया कि विपक्षी गठबंधन से प्रधानमंत्री एवं भाजपा घबरा गये हैं।

बैठक में पारित प्रस्ताव में साफ तौर पर कहा गया, ''सी.डब्ल्यु.सी. ''इंडिया'' को सैद्धांतिक एवं चुनावी सफलता का रुप देने के कांग्रेस पार्टी के संकल्प को दोहराती है ताकि देश विभाजक एवं ध्रुवीकृत होती जा रही राजनीति से मुक्त हो सके, सामाजिक निष्पक्षता एवं न्याय मजबूत हों तथा जनता को एक ऐसी केन्द्र सरकार मिले, जो जिम्मेदार, सहानुभूतिपूर्ण, संवेदनशील तथा जवाबदेह हो।''

कांग्रेस ने बहुत बुद्धिमत्ता का परिचय देते हुये ''सनातन धर्म'' सम्बंधी बहस से स्वयं को अलग रखने का निर्णय लिया तथा यह स्पष्ट कर दिया कि वह इस विवाद में नहीं पड़ेगी। कांग्रेस नेतृत्व ने यह जानते हुए इस बहस से अलग रहने का निर्णय लिया है कि, पी.एम. मोदी सहित आर.एस.एस. तथा सत्तारुढ़ पार्टी एवं उसका शीर्ष नेतृत्व, पूरी तरह चाहते हैं कि कांग्रेस उनके इस जाल में फंस जाये तथा फिर सत्तारुढ़ भाजपा उसका चुनावी फायदा ले सके।

पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मीटिंग में शामिल प्रतिनिधियों से कहा कि, यह मुद्दा जनता के सामने मौजूद असली मुद्दों से ध्यान भटकाने वाला है। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय

(शेष पृष्ठ 4 पर)

क्या आपको कम सुनाई देता है।?
ऑटोमेटिक
कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
कॉकलियर इम्पलांट, ऑटिजम
डिले स्पीच, हकलाना, तुतलाना
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
सम्पर्क- 94602 07080

अडानी केस में नई टीम के लिए याचिका

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 सितम्बर। सुप्रीम कोर्ट में एक नया हस्तक्षेप आवेदन प्रस्तुत किया गया है जिसमें निवेदन किया गया है कि, हिंडनबर्ग रिपोर्ट से संबंधित मामले में ऐसी नई विशेषज्ञ समिति गठित की जाए जिसमें बेदाग ईमानदारी वाले और अडानी मामले में हितों का कोई टकराव नहीं होने वाले व्यक्तियों को शामिल किया जाए।

- सुप्रीम कोर्ट में याचिका कर्ता अनामिका जायसवाल ने मांग की है कि, मौजूदा कमेटी के कई सदस्य प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अडानी से लाभ प्राप्त कर रहे हैं, इसलिए नई एक्सपर्ट टीम गठित की जाए।

यह आवेदन एक याचिकाकर्ता अनामिका जायसवाल ने पेश किया है।

(शेष पृष्ठ 4 पर)

केरल और बंगाल में सीट शेयरिंग नहीं करेगी माकपा

13 सितम्बर को हुई इंडिया गठबंधन की समन्वय व प्रचार समिति की बैठक में माकपा अनुपस्थित थी

- माकपा के इस रूख ने कांग्रेस को दुविधा से बचा लिया है, क्योंकि प. बंगाल में तृणमूल नेता ममता बनर्जी कांग्रेस को कुछ सीटें देने के लिए मान गईं थीं, पर वाम मोर्चा के लिए उन्होंने साफ इंकार कर दिया था।
- दिल्ली और पंजाब में आम आदमी पार्टी सीट शेयरिंग करना नहीं चाहती है।
- सम्पूर्ण एकता नहीं हो पाने से इण्डिया गठबंधन की भाजपा के खिलाफ एक ही प्रत्याशी खड़ा करने की नीति प्रभावित होगी।

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 सितम्बर। सी.पी.एम. (माकपा) केरल एवं पश्चिम बंगाल में इंडिया गठबंधन के अन्य पार्टनरों के साथ सीट -शेयरिंग नहीं करेगी।

माना जाता है कि, सप्ताहान्त में हुई पार्टी पोलित ब्यूरो की मीटिंग में इस आशय का निर्णय लिया गया है। लेकिन इस निर्णय से, वाम पंथियों द्वारा अन्य राज्यों, जैसे बिहार एवं उत्तर प्रदेश में, सीट -शेयरिंग व्यवस्था में शामिल होने की संभावना खत्म नहीं होती। बिहार में, वामपंथी गठबंधन के अन्य घटकदलों के साथ, सी.पी.एम. पहले से ही ''महागठबंधन'' का हिस्सा है।

इंडिया गठबंधन की समन्वय एवं प्रचार समिति की 13 सितम्बर को हुई मीटिंग में सी.पी.एम. का प्रतिनिधि उपस्थित नहीं था क्योंकि पार्टी ने इस कमेटी के लिये अपना कोई सदस्य नामजद नहीं किया था। कमेटी की इस मीटिंग में सी.पी.एम. की सहभागिता न होने से इंडिया गठबंधन के अन्य घटकदल, खासतौर से कांग्रेस, शर्मिन्दगी से बच गये थे। इंडिया ब्लॉक की तीसरी मीटिंग में, टी.एम.सी. प्रमुख तथा पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने स्पष्ट कर दिया था कि, वे 2024 के लोक चुनावों के लिये पश्चिमी बंगाल में कुछ सीटें छोड़ने के लिये तैयार हैं लेकिन सी.पी.एम. को इसमें समायोजित नहीं किया जायेगा।

सम्पूर्ण एकता नहीं हो पाने के कारण, भाजपा के खिलाफ विपक्षी गठबंधन के ''वन-टु-वन'' चुनावी लड़ाई के विचार पर पश्चिम बंगाल में कुछ हद तक प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता तथा पूरी एकजुटता खतरे में पड़ सकती है, वहीं केरल में इसका कोई चुनावी असर नहीं होगा क्योंकि वहाँ भाजपा की

(शेष पृष्ठ 4 पर)

इस वर्ष डायरैक्ट टैक्स कलैक्शन 23.51 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली 18 सितंबर (वार्ता) चालू वित्त वर्ष में 16 सितंबर तक शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 23.51 प्रतिशत बढ़कर 865117 करोड़ रुपये रहा जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह राशि 700416 करोड़ रुपये की तुलना में 23.51 प्रतिशत अधिक है।

- चालू वित्त वर्ष में 16 सितंबर तक डायरैक्ट टैक्स कलैक्शन 8,65117 करोड़ रुपये रहा जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह राशि 7,00416 करोड़ रुपये की तुलना में 23.51 प्रतिशत अधिक है।

आयकर विभाग ने आज यहां जारी बयान में कहा कि शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 8,65,117 करोड़ रुपये में कारपोरेट कर (सी.आई.टी.) 4,16,217 करोड़ रुपये

(शेष पृष्ठ 4 पर)

अन्नाद्रमुक ने तमिलनाडू में भाजपा से गठबंधन तोड़ा

अन्नाद्रमुक नेता ने कहा कि, उनकी पार्टी एन.डी.ए. को छोड़ रही है, क्योंकि, भाजपा की तमिलनाडू इकाई के प्रमुख अन्नामलाई हमारे नेताओं के खिलाफ अनर्गल बातें करते हैं

- अन्नाद्रमुक नेता ने कहा, हम अपने नेताओं की आलोचना बर्दाश्त नहीं कर सकते हैं, वे जयललिता के खिलाफ भी बोल चुके हैं तथा अन्नादुरै और पेरियार के बारे में भी बुरा भला कहते रहते हैं।
- तमिलनाडू में कुल 39 लोकसभा सीटें हैं, इनमें से 38 अभी द्रमुक के पास हैं।
- भाजपा को हाल ही में यह दूसरा झटका लगा है, इससे पहले मणिपुर में भी एक पार्टी ने भाजपा का साथ छोड़ दिया है।

-लक्ष्मण वेंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 सितम्बर। केन्द्र की सत्तारूढ़ भाजपा तमिलनाडू में सहयोगी संकट का सामना कर रही है, क्योंकि उसके सहयोगी दल अन्नाद्रमुक ने घोषणा की है कि, भाजपा के साथ उसका गठबंधन नहीं है और वो एन.डी.ए. की सदस्य नहीं है।

भाजपा को तगड़ा झटका देते हुए अन्नाद्रमुक नेता डी. जयकुमार ने चेन्नई में घोषणा की कि, पार्टी एन.डी.ए. से बाहर है क्योंकि भाजपा के तमिलनाडू के प्रमुख के. अन्नामलाई अन्नाद्रमुक नेताओं के बारे में बकवास बातें करते हैं।

तमिलनाडू से लोकसभा में 39 सांसद जाते हैं, जिनमें से अभी 38 डी.एम.के. के हैं। अब भाजपा से अन्नाद्रमुक का अलग होना तमिलनाडू में सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए अच्छी खबर है। तथापि, मणिपुर में गठबंधन सहयोगी के अलग होने के बाद भाजपा के लिए यह दूसरा झटका है।

जयकुमार ने कहा, ''भाजपा का अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन नहीं है। हम गठबंधन का निर्णय चुनाव के दौरान ही लेंगे।'' उन्होंने कहा, उनकी पार्टी का यही रूख है। हालांकि भाजपा तो गठबंधन चाहती है लेकिन उसके नेता अन्नामलाई इसके खिलाफ लग रहे हैं।

जयकुमार ने संवाददाताओं से कहा, ''हम लगातार अपने नेताओं की आलोचना स्वीकार नहीं कर सकते। अन्नामलाई पहले ही हमारी नेता जयललिता की आलोचना कर चुके हैं। उस समय हमने अन्नामलाई के खिलाफ एक प्रस्ताव पारित किया था। उन्हें यह बंद कर देना चाहिए था। वे अन्ना, पेरियार और महासचिव की आलोचना कर रहे हैं, जिसे कोई कार्यकर्ता स्वीकार नहीं करेगा। कल हमें जनता के बीच जाकर काम करना है। इसलिए बिना किसी विकल्प के हमने यह घोषणा कर दी। इस निर्णय से हम पर कोई असर नहीं पड़ेगा और हमें अपनी जीत का भरोसा है।''

पिछले कई महीनों से भाजपा की राज्य इकाई और अन्नाद्रमुक के बीच सब सही नहीं चल रहा था और कई नेता अन्नामलाई से नाराज़ हैं क्योंकि वो गठबंधन सहयोगी की कीमत पर खुद का प्रचार करना चाहते हैं।

जयकुमार ने संवाददाताओं से कहा, ''क्या हमें अपने नेताओं की आलोचना बर्दाश्त करनी चाहिए? हम आपको क्यों लादे रहें? भाजपा यहां कदम नहीं रख सकती। आपका वोट बैंक सब जानते हैं। आपको यहां सब हमारी वजह से जानते हैं।''

जब उनसे यह पूछा गया कि, क्या यह उनकी व्यक्तिगत राय है, तो जयकुमार ने कहा, ''क्या मैंने कभी आपसे उस क्षमता में बात की है? मैं वही कहता हूँ जो पार्टी तय करती है।''

अब अन्नामलाई उन अन्नादुराई की आलोचना कर रहे हैं जिन्होंने 1949 में डी.एम.के. की स्थापना की और 1967 में तमिलनाडू में पहली गैर कांग्रेसी सरकार बनाई। सन्1972 में अन्नाद्रमुक की स्थापना करने वाले एम.जी.आर. भी अन्नादुराई की बहुत प्रशंसा करते थे।

जयकुमार ने कहा, ''हमारी पार्टी अन्नादुराई के नाम पर है। स्वयं को आगे बढ़ाने के लिए वे (अन्नामलाई) पेरियार को नीचा दिखाते हैं और निंदा सुनने के बाद भी वो टस से मस नहीं हुए। यह सब गठबंधन के धर्म के विरूद्ध है, जिसे अन्नाद्रमुक के कार्यकर्ता स्वीकार नहीं करेंगे। अन्नामलाई नेता रहने के लायक नहीं हैं और खुद को बढ़ाने के ही इच्छुक हैं। आपको पेरियार, ई.पी.एस. (पलानीस्वामी), अम्मा और एम.जी.आर. के बारे में बोलने का क्या हक है। अन्नाद्रमुक कार्यकर्ता इसे सहन नहीं करेंगे।''

(शेष पृष्ठ 4 पर)

पहली बार प. नेहरू की तारीफ की प्र.मंत्री मोदी ने

- मोदी ने देश के पहले प्रधानमंत्री प. नेहरू के आज़ादी के अवसर पर दिए गए भाषण ''ट्रिस्ट विद डैस्टिनी'' का उल्लेख किया और कहा उनके भाषण की गूंज आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 सितंबर। प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा नेता हमेशा भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के आलोचक रहे हैं, लेकिन सोमवार को पहली बार नेहरू की प्रशंसा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उनका ''ट्रिस्ट विद डैस्टिनी'' भाषण सांसदों की भावी पीढ़ियों को प्रेरित करेगा।

पुराने संसद भवन में अपने अंतिम

(शेष पृष्ठ 4 पर)

मेरा मानना है कि ऋषभ ने दुनिया भर के विकेटकीपर बल्लेबाजों को अपनी तरह खेलने के लिए प्रेरित किया। यह रोमांचक है कि ऋषभ जैसे युवा खिलाड़ी में इतना प्रभाव छोड़ा। अन्य खिलाड़ियों ने उनका अनुकरण किया और उनकी तरह सकारात्मक रवैये के साथ खेलना शुरू किया।

एडम गिलक्रिस्ट, पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर, ऋषभ पंत के बारे में।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ टिम साउदी

न्यूजीलैंड के मुख्य कोच गैरी स्टीड ने कहा है कि तेज गेंदबाज टिम साउदी को भारत में अगले महीने होने वाले विश्व कप से पहले अपनी फिटनेस साबित करने का पूरा मौका दिया जायेगा। इंग्लैंड के खिलाफ चौथे वनडे के दौरान एक कैच लपकते समय साउदी के दाहिने अंगूठे की हड्डी टूट गई थी। स्टीड ने कहा कि विशेषज्ञों से राय लेकर उनके बारे में फैसला लिया जायेगा। उन्होंने कहा ,'' तब तक हम विश्व कप को लेकर फैसला नहीं ले सकते। हमें समय सीमा को समझना होगा और जानकारी मिलने के बाद ही हम कोई फैसला लेंगे।

क्या आप जानते हैं ?... गोल्फ एकमात्र ऐसा खेल है जिसे चांद पर भी खेला गया है। 6 फरवरी, 1971 को एलन शेफर्ड नामक अंतरिक्ष यात्री ने चन्द्रमा पर गोल्फ के दो स्ट्रोक खेले।

विश्व कप से पहले शीर्ष वनडे टीम रैंकिंग की होड़ हुई तेज

दुबई, 18 सितंबर। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) पुरुष क्रिकेट विश्व कप की शुरुआत से पहले नंबर एक वनडे टीम बनने की होड़ अगले कुछ दिनों में तेजी आयेगी। एशिया कप हालांकि समाप्त हो गया है। पाकिस्तान एशिया कप 2023 में जल्दी बाहर होने और फाइनल में श्रीलंका पर भारत की प्रचंड जीत के बावजूद नंबर 1 स्थान पर कायम है। दक्षिण अफ्रीका से सीरीज हारने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने भी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने का मौका गंवा दिया। ऑस्ट्रेलियाई टीम श्रृंखला में 2-0 से आगे थी, इससे पहले मेजबान टीम ने जबरदस्त वापसी की और लगातार तीन मैच जीतकर रविवार को श्रृंखला जीत ली। आईसीसी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि फाइनल से पहले बंगलादेश से हार से भारत की रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने की संभावना कम हुई और यहां तक कि श्रीलंका के खिलाफ सिर्फ छह ओवर में मिली रिकॉर्ड-तोड़ जीत भी भारतीय टीम को शीर्ष पर नहीं पहुंचा सकी।

विश्व कप जीत सकता है भारत : कपिल देव

नयी दिल्ली, 18 सितंबर। भारत के पूर्व कप्तान कपिल देव का मानना है कि भारतीय टीम अपनी धरती पर वनडे विश्व कप जीत सकती है लेकिन उन्होंने कहा कि प्रबल दावेदार का ठप्पा लगाना सही नहीं है क्योंकि बहुत कुछ तकदीर पर निर्भर करेगा। कपिल ने कहा ,'' अगर हम शीर्ष चार में आ गए तो यह महत्वपूर्ण होगा। इसके बाद से किस्मत की बात है।'' उन्होंने जम्मू तवी गोल्फ कोर्स पर चार से सात अक्टूबर तक होने वाले जे एंड के ओपन के तीसरे सत्र के लांच से इतर कहा ,' हम अभी नहीं कह सकते कि हम प्रबल दावेदार है। हमारी टीम अच्छी है। दिल कुछ कहता है और दिमाग कहता है कि अभी काफी मेहनत करनी होगी। मैं अपनी टीम को जानता हूं लेकिन दूसरी टीमों को नहीं जानता। ऐसे में जवाब देना गलत होगा।''

रोहित की उम्मीद, विश्वकप के लिये उपलब्ध होंगे अक्षर व श्रेयस

कोलंबो, 18 सितंबर। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को उम्मीद है कि क्रिकेट विश्व कप 2023 से पहले अक्षर पटेल और श्रेयस अय्यर चोट की समस्या से उबर कर पूरी तरह स्वस्थ हो जायेंगे। रोहित शर्मा ने कहा कि उन्हे भरोसा है कि टूर्नामेंट से पहले टीम पूरी तरह स्वस्थ होगी, अक्षर पटेल और श्रेयस अय्यर आठ अक्टूबर के शुरुआती मुकाबले से पहले पूरी तरह फिट हो जायेंगे। कलाई की चोट और बाएं क्वाड्रिसेप में मामूली चोट के कारण अक्षर एशिया कप के फाइनल के लिये उपलब्ध नहीं हो सके थे।

ऑस्ट्रेलिया सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान

रोहित-विराट को आराम, केएल राहुल कप्तान

नई दिल्ली, 18 सितम्बर। वर्ल्ड कप से पहले अब भारतीय टीम के पास सिर्फ तीन वनडे मुकाबले ही बचे हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 22 सितंबर से शुरू होने वाली इसी घरेलू सीरीज के लिए आज भारतीय दल की घोषणा कर दी गई। कप्तान रोहित शर्मा के साथ सिलेक्शन कमेटी के हेड अजीत अगरकर ने वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए भारतीय टीम का ऐलान किया। शुरुआती दो वनडे के लिए अलग टीम चुनी गई है, जिसमें कई सीनियर प्लेयर्स को आराम दिया गया है और कप्तानी केएल राहुल करेंगे जबकि आखिरी वनडे में सीनियर प्लेयर्स की वापसी हुई है।

पहला वनडे
22 सितंबर : मोहाली
दूसरा वनडे
24 सितंबर : इंदौर
तीसरा वनडे
27 सितंबर : राजकोट

आखिरी वनडे के लिए भारत का स्क्वॉड: रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पंड्या, (उप-कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव, केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), रविंद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, आर अश्विन, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज

ऑस्ट्रेलिया : इस बीच, ऑस्ट्रेलिया ने इस वनडे सीरीज के लिए पहले ही अपनी टीम की घोषणा कर दी है। पैट कमिंस, स्टीव स्मिथ और मिचेल स्टार्क जैसे प्रमुख खिलाड़ियों की टीम में वापसी हुई है। ऑस्ट्रेलिया की टीम कुछ ऐसी है: पैट कमिंस (कप्तान), डेविड वार्नर, स्टीव स्मिथ, मैट शॉर्ट, मार्नस लाबुशेन, ग्लेन मैक्सवेल, मार्कस स्टोइनिस, मिचेल मार्श, कैमरून ग्रीन, एलेक्स कैरी, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, जोश इंग्लिस, स्पेंसर जॉनसन, सीन एबॉट, तनवीर सांघा, मिशेल स्टार्क और एडम जम्पा

एशियाई खेलों में पहले स्वर्ण की तलाश में उतरेगी भारतीय बैडमिंटन टीम

नई दिल्ली 18 सितंबर। चीन के हांगझाऊ में 23 सितंबर से शुरू होने वाले एशियाई खेल 2023 में भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों की कोशिश भारत को बैडमिंटन में पहला स्वर्ण पदक दिलाने की होगी। एशियाई खेलों के 19वें संस्करण में बैडमिंटन प्रतियोगिताएं 28 सितंबर से 7 अक्टूबर तक बिंजियांग जिम्नेजियम में आयोजित की जाएंगी जिसकी शुरुआत टीम इवेंट के साथ होगी। एकल और युगल स्पर्धाएं दो अक्टूबर से शुरू होकर सात अक्टूबर तक चलेंगी। महिला एकल और टीम स्पर्धा में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु भारत की अगुवाई करेंगी। सिंधु को साल 2018 के एशियन गेम्स में ताई ज़ु यिंग से हारकर रजत पदक से ही संतोष करना पड़ा था। ऐसे में इस बार वह अपने प्रदर्शन को और भी बेहतर करना चाहेंगी।

बिना अभ्यास और पर्याप्त आराम के मजबूत चीन से भिड़ेगा भारत

हांगझोउ, 18 सितंबर। अंतिम क्षणों में टीम के चयन के कारण भारतीय फुटबॉल टीम अभ्यास सत्र और पर्याप्त विश्राम के बिना मंगलवार को यहां एशियाई खेलों के ग्रुप मैच में मजबूत चीन का सामना करेगी। इंडियन सुपर लीग की कुछ टीमों ने अपने खिलाड़ियों को एशियाई खेलों में भाग लेने की मंजूरी नहीं दी जिसके कारण भारत ने शुक्रवार को आनन-फानन में अंतिम टीम का चयन किया था। टीम रविवार को ही चीन के लिए रवाना हुई जिससे खिलाड़ियों को अभ्यास सत्र में एक साथ मिलकर खेलने का मौका नहीं मिला।

यही नहीं 22 सदस्यीय टीम के दो खिलाड़ी डिफेंडर कोन्सम चिंगलेनसाना सिंह और लालचुंगनुंगा बाद में टीम से जुड़ेंगे क्योंकि उनके वीजा तैयार नहीं थे। यह दोनों चीन के खिलाफ मंगलवार को होने वाले मैच के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे जो कि भारत के लिए बड़ा झटका है। इसके अलावा भारत के मुख्य कोच इगोर स्टिमक ने रविवार को कहा कि अनुभवी डिफेंडर संदेश झिंगन और करिश्माई स्ट्राइकर सुनील छेत्री पहले मैच में नहीं खेलेंगे क्योंकि टीम उन्हें अगले दो मैचों में उतारना चाहती है। स्टिमक का फैसला समझा जा सकता है क्योंकि भारत के पास बांग्लादेश (21 सितंबर) और म्यांमार (24 सितंबर) के खिलाफ जीत के अच्छे मौके रहेंगे। चीन की टीम काफी मजबूत है और भारतीय टीम पर्याप्त अभ्यास और विश्राम के बिना इस मैच में उतरेगी। इन सब परिस्थितियों को देखते हुए मुख्य कोच को अपनी रणनीति तैयार करनी पड़ी है।

इतने लंबे समय तक डेविस कप खेलने पर गर्व है : बोपन्ना

लखनऊ, 18 सितंबर। भारत के स्टार टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने कहा कि लंबे समय तक डेविस कप जैसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का हिस्सा बने रहने पर उन्हे गर्व का अहसास होता है। बोपन्ना ने रविवार को विश्व ग्रुप-2 मुकाबले में मोरक्को पर जीत हासिल करने के बाद डेविस कप टूर्नामेंट को अलविदा कह दिया। यह युगल मुकाबला गोमती नगर स्थित विजयंत खंड मिनी स्टेडियम में खेला गया जिसमें बोपन्ना और युकी भांबरी ने इलियट बेनचेट्रिट-यूनुस लालामी लारोसी की जोड़ी को 6-2, 6-1 से हराया। बोपन्ना के शक्तिशाली फोरहैंड का विपरीत खेमे के पास कोई जवाब नहीं था।

43 वर्षीय खिलाड़ी ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा डेविस कप छोड़ने का दुख है, लेकिन साथ ही इतने लंबे समय तक खेलने पर गर्व भी है। मैं समर्थन के लिए पूरे देश, सभी साथियों और कप्तान को धन्यवाद देता हूं जिनके नेतृत्व में मैंने खेला है। यह एक शानदार यात्रा थी जिसमें सीखने का अनुभव मिला। बोपन्ना हालांकि इस बात से खुश हैं कि अब उन्हें अपने परिवार के साथ बिताने का समय मिलेगा। मुकाबले के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा, हमारे लिए विश्व ग्रुप-1 प्लेऑफ़ में जाना बेहद महत्वपूर्ण था जहां भारत को होना चाहिए और अब इसके लिये तैयारी की जरूरत है।

भारत के गैर-खिलाड़ी कप्तान और भारतीय ओलंपिक संघ की कार्यकारी समिति के सदस्य रोहित राजपाल ने कहा बोपन्ना की कमी खलेगी। जब आपके पास रोहन बोपन्ना जैसा महान व्यक्तित्व वाला खिलाड़ी हो, तो हमेशा इस बात को लेकर झगड़ा होता है कि कौन उसके साथ खेलना चाहता है। वे सभी उसके साथ युगल खेलना चाहते हैं। पूरी टीम उनके डेविस कप से सन्यास लेने के फैसले से सदमे में है। लेकिन निश्चित रूप से, उन्होंने युकी (भाम्बरी) और राम (रामनाथन रामकुमार) को महत्वपूर्ण टिप्स दी हैं। हम उनका मार्गदर्शन लेते रहेंगे और उससे लाभान्वित होंगे।

राजपाल का मानना है कि भारतीय युगल खिलाड़ी हमेशा अपने पीछे एक विरासत छोड़ते हैं, लेकिन एकल पर ध्यान देने की जरूरत है। उन्होने कहा हम एक कठिन टीम हैं और हमने डेविस कप में बहुत दिल लगाया है। जब हम खेल रहे होते हैं तो हमें हराना एक कठिन काम होता है। साथ ही, यदि हमें शीर्ष टीमों को हराना है तो निश्चित रूप से हमें अपने खिलाड़ियों से बहुत अच्छा एकल प्रदर्शन करने की आवश्यकता है, क्योंकि एकल के लिए चार अंक हैं। हमें टीम में अपने एकल मुकाबलो के लिये ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है।

श्रीलंका ने एशियाई खेलों के लिये की क्रिकेट टीम की घोषणा

कोलंबो, 18 सितंबर। श्रीलंका ने हांगझाऊ में 23 सितंबर से 8 अक्टूबर तक होने वाले 19वें एशियाई खेलों के लिए अपनी पुरुष और महिला क्रिकेट टीमों की घोषणा कर दी है। चमारी अथापथु महिला टीम का नेतृत्व करेंगी जबकि पुरुष टीम का नेतृत्व सहान अराचिगे करेंगे, जिन्होंने 2023 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया है। मध्य क्रम के बल्लेबाज एशेन बंडारा, जिनके नाम 10 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच हैं, पुरुष टीम में सबसे अनुभवी खिलाड़ी हैं।

आईसीसी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि नुवान तुषारा और नुवानिदु फर्नांडो पुरुष टीम में अंतरराष्ट्रीय अनुभव वाले अन्य खिलाड़ी हैं। अथापत्थु के नेतृत्व में महिला टीम ने इस महीने की शुरुआत में इंग्लैंड पर किसी भी प्रारूप में अपनी पहली श्रृंखला जीत दर्ज करके इतिहास रचा था।

पुरुष टीम: लसिथ क्रूसपुले, शेवोन डेनियल, एशेन बंडारा, सहान अराचिगे (कप्तान), अहान विक्रमसिंघे, लाहिरू उदारा (विकेटकीपर), रविन्दु फर्नांडो, रनिता लियानाराच्ची, नुवानीदु फर्नांडो, सचिथा जयतिलका, विजयकांत वियास्कंथ, निमेश विमुक्ति, लाहिरू समराकून, नुवान तुषारा , इसिथा विजेसुंडेरा।

महिला टीम: चमारी अथापथु (कप्तान), हर्षिता समरविक्रमा, विशमी गुणरत्ने, नीलाक्षी डी सिल्वा, कविशा दिलहारी, इमेशा दुलानी, अनुष्का संजीवनी, ओशादी रणसिंघे, सुगंदिका कुमारी, इनोका राणावीरा, उदेशिका प्रबोधनी, हासिनी परेरा, कौशिनी नुथ्यांगना, अचिनी कुलसूर्या, इनोशी फर्नांडो।

प्रशंसकों का जुनून विश्व कप जीतने के इरादे को करता है मजबूत : कोहली

कोलंबो 18 सितंबर। भारत के स्टार क्रिकेटर विराट कोहली ने कहा कि देश में क्रिकेट के प्रति जुनून और समर्थन एक बार फिर विश्व कप ट्राफी घर लाने के भारतीय टीम के इरादे को मजबूती प्रदान करता है।

क्रिकेट विश्व कप टूर्नामेंट पांच अक्टूबर से 19 नवंबर के बीच भारत में खेला जायेगा। कोहली ने कहा, हमारे प्रशंसकों का जुनून और अटूट समर्थन ही विश्व कप जीतने के हमारे दृढ़ संकल्प को बढ़ावा देता है। पिछले विश्व कप जीत की यादें, विशेष रूप से 2011 की जीत, हमारे दिलों में अंकित हैं, और हम अपने प्रशंसकों के लिए नई यादें बनाना चाहते हैं। मैं इस अविश्वसनीय अभियान का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं। हम अपने प्रशंसकों के सपनों को साकार करने के लिए अपना सब कुछ देने के लिए तैयार हैं। हरफनमौला रवींद्र जड़ेजा ने कहा, एक क्रिकेटर के रूप में यह जानने से अधिक प्रेरणादायक कुछ भी नहीं है कि लाखों प्रशंसक आपके पीछे खड़े हैं, आपकी सफलता के लिए जयकार कर रहे हैं। यह अभियान टीम इंडिया को जीतते देखने के लिए हमारे प्रशंसकों के गहरे जुनून और जुनून को दर्शाता है। यह एक यात्रा है हम पूरे देश के साथ मिलकर आगे बढ़ रहे हैं, और हम मैदान पर अपने प्रदर्शन से अपने प्रशंसकों को गौरवान्वित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

सात ओवर बाद भी गेंदबाजी करना चाहते थे सिराज : रोहित

कोलंबो, 18 सितंबर। एशिया कप में भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण से खासे संतुष्ट कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि श्रीलंका के छह विकेट झटकने से उत्साहित मोहम्मद सिराज लगातार सात ओवर फेंकने के बाद और गेंदबाजी करना चाहते थे मगर ट्रेनर की सलाह पर उनके स्पेल को सीमित करना पड़ा।

एशिया कप फाइनल में मिली ऐतिहासिक जीत के बाद रोहत ने अपने तेज गेंदबाजों की जमकर तारीफ की। सिराज रविवार अच्छे फॉर्म में थे और उन्होंने अपने कातिलाना गेंदबाज़ी से केवल 16 गेंदों में पांच विकेट लेकर श्रीलंका के शीर्ष क्रम के बालेबाज़ों को ध्वस्त कर दिया। रोहित शर्मा ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, उसने उस स्पैल में सात ओवर फेंके और मुझे ट्रेनर से संदेश मिला कि हमें उसे अब रोकना होगा। वह गेंदबाजी करने के लिए काफी बेताब था। उन्होंने सात ओवर फेंके, जो काफी है। सिराज की स्थिति त्रिवेन्द्रम में श्रीलंका के खिलाफ भी ऐसी ही थी और उन्होंने लगातार 8-9 ओवर फेंके थे। सिराज ने जिस तरह गेंदबाजी की वह देखना बहुत सुखद था।

सिराज के अलावा जसप्रित बुमरा ने शुरुआती ओवर में विकेट लेकर श्रीलंका को झटका दिया वहीं हार्दिक पंड्या, ने 14 गेंदों में तीन विकेट लेकर श्रीलंका की पारी को जल्दी समाप्त कर दिया। तेज गेंदबाजों की सराहना करते हुए रोहित ने कहा कि उन्हें तेज गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन से काफी संतुष्टि मिली। उन्होंने कहा, जब मैं तेज गेंदबाजों को इस तरह का प्रदर्शन करते हुए देखता हूं तो मुझे बहुत संतुष्टि मिलती है। सभी कप्तान तेज गेंदबाजी पर बहुत गर्व करते हैं, और मैं भी अलग नहीं हूं। हमारे पास तेज गेंदबाजों का एक शानदार समूह है। उन सभी के पास अलग-अलग कौशल और विविधताएं हैं, कोई तेज गेंदबाजी कर सकता है, कोई गेंद को स्विंग करा सकता है, कोई अच्छा उछाल प्राप्त कर सकता है।

जालोर में झमाझम बारिश से नदी-नाले उफान पर

सड़कों पर बहा पानी, जवाई नदी में हुई पानी की आवक

जालोर में मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के समक्ष निकासी नही होने से गंदा पानी बहने से आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ा।

जालोर/पाली, (कासं)। जालोर में गत दो दिन से मानूसन की सक्रियता से झमाझम बारिश होने से नदी नाले उफान पर नजर आये। लगातार हो रही बारिश के चलते जवाई बांध के गेट खोलने से जवाई नदी में पानी की आवक तेज गति से होने लगी है।

■ इस वर्ष तीसरी बार जवाई नदी आने से लोगों के चेहरों पर खुशी देखी

जालोर शहर में तेज बारिश के चलते शहर के तिलकद्वार, लाल पोल व बडी पोल से पानी पूरे वेग से बहता नजर आया। वही शहर के मुख्य मार्ग बागोडा रोड़ पर पानी की निकासी नही होने से पानी सड़क पर भर जाने से वाहन चालकों सहित आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। वही निजी बस स्टेण्ड मार्ग तालाब में तब्दील नजर आया। तेज बारिश के बाद नगरपरिषद के ठेकेदारों की पोल खोल कर रख दी। कुछ समय पूर्व बनाई गई सड़कें कई जगह से क्षतिग्रस्त हो गई। वहीं कई जगह क्षतिग्रस्त सड़कों पर गड्ढे होने पर पानी भर जाने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बिजपरजॉय तूफान व उसके बाद सावन माह में बारिश के बाद गत दो दिन से मानसून की बारिश के चलते नदी नाले ओवरफ्लो हो चुके है।

जालोर में झमाझम बारिश के तापमान में गिरावट देखी गई। वहीं जालोर शहर के मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी जालोर कार्यालय के समक्ष नगरपरिषद की उदासीनता के चलते पानी की निकासी नही होने से गंदा पानी बहता नजर आया। बारिश से पानी भर जाने से शिक्षा अधिकारी कार्यालय जाना मुश्किल हो गया। ऐसे में जिला मुख्यालय पर ऐसे हालात होने से लोगो में रोष देखा गया।

वहीं लगातार बारिश होने से जवाई बांध के गेट खोलने से जवाई नदी तेज वेग के साथ बहती नजर आई। जालोर शहर के सांकरण रोड़ पुलिया व बिशनगढ रोड़ पुलिया पर जवाई नदी को देखने वालो की भीड़ नजर आई। इस वर्ष तीसरी बार जवाई नदी आने से लोगों के चेहरों पर खुशी देखी गई।

बेणेश्वर धाम की तीनों पुलिया से पानी उतरा

डूंगरपुर, (निसं)। जिले भर में लगातार बारिश को लेकर की जा रही मन्नतों के बाद आखिरकार सितम्बर माह के दूसरे पखवाडे में मेघों की महर बरसी और पिछले तीन दिनों से लगातार जिले भर में बारिश का दौर अपने पूरे यौवन पर है। और इसी के चलते अब सूखे पड़े बांधों, तालाबों एवं एनिकटों में पानी की आवक शुरू हो गई है। वही ट्ययूबवेलों में गहराई तक चला गया पानी अब पुन: रिचार्ज होकर पूरे वेग के साथ आने लग गया है। जिले में सोमवार प्रात: समाप्त 24 घण्टों में सर्वाधिक वर्षा निठाऊवा में 8 इंच बारिश रिकॉर्ड की गई है। वही रविवार से टापू बना बेणेश्वर धाम के पुलियों से पानी उतरने लग गया। डूंगरपुर में सुबह के समय रिमझिम बारिश हुई। कुछ देर बारिश रुकी और फिर तेज बारिश हुई। इस तरह डूंगरपुर शहर से लेकर गांवों में कभी तेज, कभी हल्की और कभी रिमझिम बारिश का दौर चल रहा है। बारिश के चलते खेल खलिहान लबालब हो गए हैं। बांध, तालाबों में पानी की आवक होने लगी है। टापू में बदले बेणेश्वर धाम के तीनों पुलिया से भी पानी उतर गया है। 48 घंटे तक टापू रहने के बाद साबला, वालाई और बांसवाड़ा पुलिया का पानी उतर गया। पुलिया के बराबर पानी चल रहा है। जिससे धाम पर दर्शनार्थियों के आने जाने का दौर शुरू हो गया है। दूसरी ओर गुजरात के कडाना बांध का बैक वाटर भी स्थिर बना हुआ है। बारिश का दौर कमजोर होने के बाद पानी की आवक कम हुई।

बांढ नियंत्रण कक्ष के अनुसार डूंगरपुर में 16 एमएम, देवल में 30 एमएम, फलोज में 16 एमएम, कनबा में 15 एमएम, सागवाड़ा में 33 एमएम, ओबरी में 35 एमएम, गालियाकोट में 32 एमएम, धंबोला में 40 एमएम, बेंजा में 35 एमएम, चिखली में 43 एमएम, आसपुर में 49 एमएम, गणेशपुर में 48 एमएम, बनकोड़ा में 18 एमएम, साबला में 61 एमएम, गामड़ी अहाड़ा में 26 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई है।

सड़क हादसे में एक की मौत

धौलपुर, (निसं)। बसेड़ी कस्बे में जगनेर बसेड़ी मार्ग पर जारगा गांव के समीप सोमवार सुबह एक अनियंत्रित वाहन ने दो बाइकों में टक्कर मार दी। जिससे एक बाइक पर सवार 23 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं दूसरी बाइक पर सवार दो युवक गम्भीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें इलाज के लिए बसेड़ी सीएचसी में भर्ती कराया गया है। टक्कर इतनी भीषण थी कि एक बाइक पर सवार युवक की सड़क पर सिर फटने से मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण एकत्रित हो गए और घटना की सूचना पुलिस को दी। एसआई रमेश चंद ने बताया कि अनियंत्रित वाहन ने पहले एक बाइक को टक्कर मारी। जिसमें बाइक पर सवार दो युवक मोनू पुत्र लहोरे निवासी पोखरपुरा और सचिन पुत्र चेतराम निवासी ज्ञाने का नगला उत्तरप्रदेश घायल हो गए। उसके बाद वाहन ने दूसरी बाइक को टक्कर मारी। जिससे बाइक पर सवार राजवीर सिंह पुत्र सोवरन सिंह गुर्जर उम्र 23 वर्ष निवासी खिड़ोंरा बसेड़ी की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी वाहन चालक मौके से फरार हो गया। परिजनों की तहरीर के आधार पर पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है।

जालोर-सांचौर जिलों में बारिश से बाजरा-मूंग फसल को नुकसान

दोनों जिलों में करोड़ों रुपये का नुकसान होने की संभावना

जालोर, (कासं)। इन बीते तीन दिनों में हुई इस बारिश से जालोर व सांचौर दोनों जिलों के किसानों की करीब करोड़ो रूपये की मूंग व बाजरा की फसल को नुकसान हुआ है। इस वर्ष हालांकि अन्य वर्षो की तुलना में मूंग की कम बुवाई हुई है, लेकिन अब फसल काटकर खेतों में पड़ी थी और बारिश हो जाने से दाने बर्बाद हो गए है।

■ किसानों के अनुसार खेतों में खड़ी व पकी हुई फसल के करीब 70 फीसदी मूंग खराब हो गए हैं

कृषि विभाग व राजस्व विभाग गिरदावरी की प्रक्रिया व नुकसान के आकलन में जुटे हुए है। लेकिन किसानों से मिली जानकारी के मुताबिक खेतों में खड़ी व पकी हुई फसल के करीब 70 फीसदी मूंग खराब हो गए हैं। इसे देखते हुए दोनों जिलों में करोड़ो रूपये का नुकसान होने की संभावना हैं। कृषि विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक जून में आये बिपरजॉय तूफान के कारण कई खेतों में पानी का भराव रहा था। विशेषकर जहां मूंग की अधिक बुवाई होती है, उस आहोर क्षेत्र के गांवों में अधिक पानी का भराव हो गया था, जिस कारण बुवाई का रकबा भी कम रहा। हर वर्ष जहां दोनों जिलों में करीब सवा लाख हैक्टेयर में मूंग की बुवाई की जाती है, उसकी तुलना में इस वर्ष केवल 85 हजार 500 हैक्टेयर में ही मूंग की बुवाई की जा सकी है। इस बुवाई से कृषि विभाग के अनुमान से करीब 76 हजार 950 मीट्रिक टन मूंग उत्पादन की संभावना थी, लेकिन इस बारिश से करीब 70 फीसदी मूंग खराब हो गए है। इससे अनुमानित दोनों जिलों में करीब 3 अरब रुपए का नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है। इस वर्ष दोनों जिलों में खरीफ में 5 लाख 85 हजार 678 हैक्टेयर क्षेत्र में सभी अलग अलग फसलों की बुवाई हुई थी, इसमें से अकेले बाजरा की फसल 3 लाख 25 हजार 143 हैक्टेयर में बोया गया, लेकिन इस बारिश में बाजरा को भी भारी नुकसान हुआ है। इस कारण किसान चिंता में डूबे हुए हैं। हालांकि इस बारिश से मूंगफली, ग्वार व अरण्डी जैसी फसलों को फायदा भी पहुंचा है, लेकिन खरीफ की सीजन में इनकी बुवाई का रकबा बिल्कुल कम रहता है। इस कारण अधिकांश किसानों को ज्यादा नुकसान हुआ है। इधर, कांग्रेस नेता सवाराम पटेल ने आहोर क्षेत्र में बेमौसम हुई बारिश से हुए नुकसान का मुआवजा दिलाने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नाम पत्र भेजा है। जिसमें बताया है कि सर्वे करवाकर व गिरदावरी करवाकर किसानों को उचित मुआवजा दिलाया जाये।

वही जानकारी में सामने आया है कि केंद्रीय दल भी सूखा व प्रभावित इलाकों का दौरा करने आने वाले है। हालांकि सूखाग्रस्त तो जिले का कोई भी इलाका रहा नहीं है, लेकिन जरूरत के समय बारिश नहीं होने से खेतों में खड़ी फसलें बर्बाद हो गई और जो पककर तैयार हुई थी उन फसलों के दानों को बारिश ने बर्बाद कर दिया है। इस कारण किसानों को तो भारी नुकसान ही पहुंचा है।

लॉरेंस का गुर्गा बनकर दो लोगों से एक करोड़ की फिरौती मांगी

जोधपुर, (कासं)। शहर में एक बिल्डर को किसी शख्स ने लॉरेंस का गुर्गा बनकर 50 लाख की फिरौती मांगी है। फिरौती रकम नहीं दिए जाने पर जानमाल के साथ काम बंद कराने के लिए धमकाया है।

■ शहर में एक बिल्डर तथा ज्वैलरी कारोबारी महिला को धमकाया

जिस दिन बिल्डर को धमकाया गया उसी दिन यानी शाम को सात मिनट के अंतराल में ही ज्वैलरी कारोबारी महिला को भी 50 लाख की फिरौती रकम के लिए धमकाया गया। दोनों में वाटसअप कॉलिंग के साथ मैसेज भेजे गए। एक प्रकरण शास्त्रीनगर का रविवार को सामने आया तो दूसरा आज सोमवार को सामने आया है। इस बारे में रातानाडा पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है।

बीजेएस कॉलोनी, महामंदिर निवासी पृथ्वीसिंह पुत्र दयालसिंह ने रातानाडा थाने में मामला दर्ज कराया। इसमें बताया कि वह कंस्ट्रेक्शन का कार्य करता है। उसका एक कार्यालय रातानाडा में पुरानी लोको रोड दासपा हाउस के नजदीक जेपी बिल्ड होम नाम से आया है।

16 सितंबर की शाम 7.01 बजे किसी शख्स ने वाटसअप मैसेज के साथ कॉल किया। बदमाश ने खुद को लारेंस का गुर्गां बताया और कहा कि तुम बिल्डर बोल रहे हो। मैं लारेंस का गुर्गां बोल रहा हूं। 50 लाख रूपए दे देना अन्यथा काम बंद करवा दूंगा। पुलिस को मत बताना या पुलिस तक मत जाना। बिल्डर की रिपोर्ट पर रातानाडा पुलिस ने अज्ञात शख्स के खिलाफ धमकाने का प्रकरण दर्ज किया है। बता दें कि शास्त्रीनगर सी सेक्टर निवासी सवाई सिंह जैन ने भी 17 सितंबर को पुलिस में केस दर्ज करवाया कि उसकी पत्नी प्लोर गोल्ड ज्वैलरी नाम से कारोबार करती है। उसके पास में भी 16 सितंबर की शाम 6.54 मिनट पर किसी शख्स ने लारेंस का गुर्गां बनकर जान की धमकी और 50 लाख की फिरौती मांगी थी। बार बार फोन और मैसेज आने पर पति पत्नी शास्त्रीनगर थाने पहुंचे और केस दर्ज करवाया। दोनों रंगदारी या अवैध वसूली के लिए किए गए कॉल महज सात मिनट के अंतराल में आए है। पुलिस अब नंबरों से बदमाश का पता लगाने का प्रयास कर रही है। पुलिस की साइबर एक्सपर्ट टीमों जांच में जुटी है।

सांप के डसने से बालक की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। कोतवाली थानान्तर्गत माण्डवा नवाघरा में एक 9 वर्षीय बालक की सर्पदंश से मौत हो गई। मृतक की मां भूमिका पत्नी दिनेश परमार निवासी नवाघरा ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि रविवार की शाम को 9 वर्षीय पुत्र आयुष परमार अपने दादा कमलेश के पास सोया हुआ था। रात्रि को लगातार बारिश हो रही थी। सोमवार भोर में चार बजे बालक ने उसके पास पेट में दर्द होने की शिकायत की थी, जिस पर परिवार जन लेकर उसे लेकर चिकित्सालय पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने उसकी जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। जिस पर परिजनों ने उसके पूरे शरीर को बारीकी से देखा तो आयुष के कान पर सर्प के डसने का निशान था। प्रार्थिया की रिपोर्ट पर पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सुपुर्द किया। बालक आयुष नवाघरा स्कूल में कक्षा तीन में अध्ययनरत था।

टूरिस्ट वीजा पर आई बांग्लादेशी महिला को पूछताछ के बाद वापस भेजा

रावलामंडी, (निसं)। बांग्लादेश से टूरिस्ट वीजा पर भारत आई 30 वर्षीय हबीबा बी को पुलिस और इंटेलिजेंस सहित सभी प्रकार की पूछताछ के बाद आखिर रविवार को पुश बैक कर दिया है। थाने से विदाई के समय हबीबा बी भावुक हो गई। नम आंखों से अपने दोस्त रोशन सिंह राय सिख से बिछड़ते देख वह भावुक हो गई। हबीबा बी ने बताया कि वह अपने दोस्त रोशन सिंह के साथ रहना चाहती है लेकिन कानूनी अड़चन के चलते दो दोस्त दूर-दूर हो रहे हैं।

■ बांग्लादेश से 15 दिन पहले दोस्त से मिलने आई थी महिला

उसने बताया कि सोशल मीडिया पर करीब सात माह पहले रोशन सिंह के साथ दोस्ती हुई थी।

दोस्त से मिलने के लिए वह बांग्लादेश से टूरिस्ट वीजा पर 1 सितंबर को कोलकाता पहुंची और वहां से रेल से 3 सितंबर को बीकानेर पहुंची। बीकानेर में उसे लेने के लिए रोशन सिंह पहले से ही आया हुआ था। अपने दोस्त रोशन को अपने सामने देख हबीबा बी खुश हो गई । रोशन सिंह भी उसे अपने घर रावला थाना इलाका के गांव13 डीओएल ले आया। 5 सितंबर की सुबह रावला पुलिस को जानकारी मिली कि बांग्लादेश से एक युवती 13 डीओएल में आई हुई है। पुलिस हबीबा बी सहित रोशन सिंह को अपने साथ ले आई। करीब 15 दिन भारत में ठहराव करने के बाद हबीबा बी को वापस उसके वतन भेज दिया है।

नौ लड़ी का हार पहन चांदी के सिंहासन पर विराजे गणेशजी

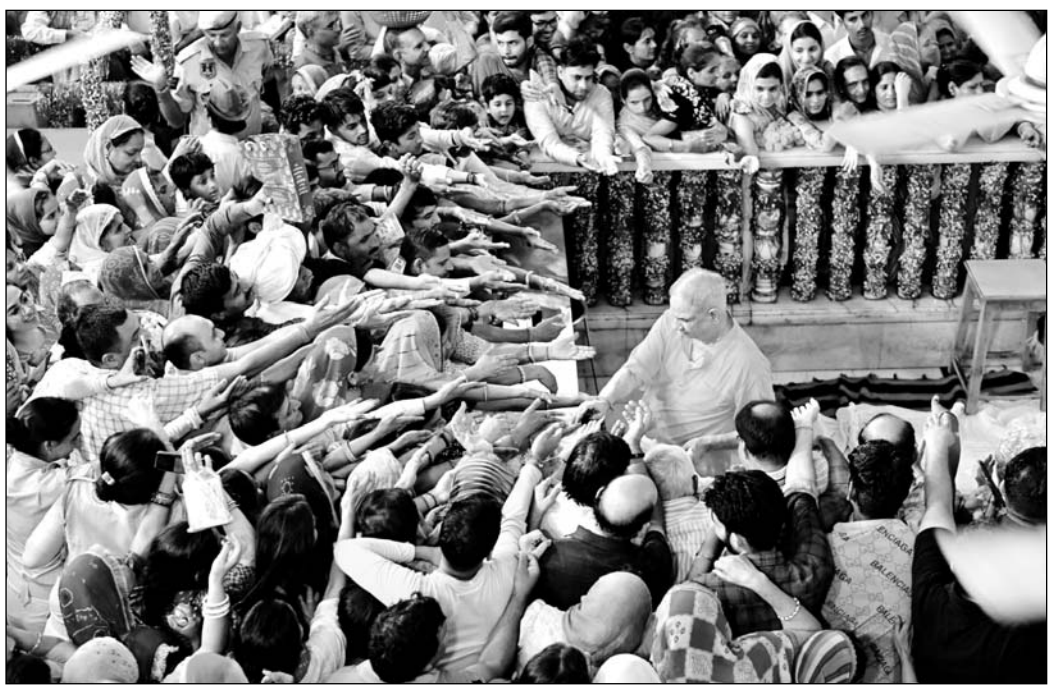

मोतीडूंगरी गणेश मंदिर में सोमवार को सिंजारा महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। मंदिर महंत कैलाश शर्मा ने प्रथम पूज्य को मेहंदी लगाई। इसके बाद भक्तों को 3 हजार किलो मेहंदी प्रसाद के रूप में वितरित की गई। पांच स्थानों पर मेहंदी वितरण की व्यवस्था की गई। मेंहदी लेने के लिए लोग उमड़ पड़े। शाम को गणेशजी महाराज का विशेष श्रृंगार किया गया। गणेशजी महाराज को स्वर्ण मुकुट धारण कराया गया। यह मुकुट केवल गणेश चतुर्थी को ही धारण कराया जाता है। महंत परिवार के पारंपरिक श्रृंगार में नौ लड़ी का नोलखा हार का भाव था। इसमें मोती, सोना, पन्ना माणक के भाव स्वरूप दर्शाए गए हैं। इसके बनाने में करीब तीन माह लगे। सिंजारे पर भगवान को चांदी के सिंहासन पर विराजमान किया। विशेष पोशाक धारण कराई गई।

युवती की हत्यारे को आजीवन कारावास

जयपुर, (का.सं.)। एनडीपीएस मामलों की विशेष अदालत ने वर्ष 2016 में विद्याधर थाना इलाके में एकतरफा प्रेम के चलते युवती की चाकू से गोदकर बेरहमी से हत्या करने वाले अभियुक्त जयंत सोढ़ानी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर बीस हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। वहीं अदालत ने अभियुक्त के पिता राजेश सोढानी को साक्ष्य मिटाने के जुर्म में तीन साल की कैद की सजा सुनाई है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त ने हर्षिता की धारदार हथियार से निर्दयता से हत्या कर उसके शव को शहीद पार्क सेक्टर-7 के पास एक खाली प्लॉट में पटक दिया। वहीं उसके पिता ने भी साक्ष्य मिटाने में उसका साथ दिया है। अभियुक्तों का यह कृत्य गंभीर है। ऐसे में उनके प्रति कोई सहानुभूति नहीं रखी जा सकती।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक उमाशंकर खंडेलवाल ने बताया कि 15 सितंबर 2016 को राकेश गुप्ता ने विद्याधर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी बेटी हर्षिता कल शाम सात बजे साइबर कैफे जाने की बात कहकर गई थी, लेकिन वापस नहीं लौटी और उसका मोबाइल भी बंद आ रहा था। वे रात के पौने दस बजे हर्षिता की तलाश में गए तो साइबर कैफे की दुकान बंद मिली। वहीं बाद में उसकी एक्टिवा दाना पानी रेस्टोरेंट के पास मिली। जिससे संदेह हुआ कि उसकी बेटी के साथ कुछ गलत हुआ है। पड़ोस में रहने वाला लड़का जयंत उसकी बेटी को परेशान करता था और जबरन आए दिन उसका रास्ता रोकता था। वह कहता था कि या तो वह प्यार में खुद मर जाएगा या उसे मार डालेगा। उन्होंने जब जयंत से पूछा तो वह घबरा गया। उन्हें फोन पर सूचना मिली की शहीद पार्क के पास एक युवती की लाश मिली है। वे अपने परिवार के साथ गए तो उसकी बेटी की खून से लथपथ लाश पड़ी हुई थी और उसके शरीर पर चोटें भी थीं। पुलिस ने रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए जयंत को गिरफ्तार किया। वहीं अभियुक्त पक्ष की ओर से कहा गया कि उन्हें प्रकरण में झूठा फंसाया जा रहा है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अभियुक्तों को सजा सुनाई है।

किसानों को ठगने वाली इस सरकार की अब उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है : राजेन्द्र राठौड़

जयपुर। नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने वक्तव्य जारी कर कहा कि पिछले 4 साल 8 माह में प्रदेश के करीब 20 हजार से अधिक किसानों की जमीनें राष्ट्रीयकृत बैंकों द्वारा नीलामी की गई जिससे प्रदेश के किसानों में आक्रोश व्याप्त है। लेकिन सरकार के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है। झूठ और लूट वाली सरकार के 4 साल 8 माह के कुशासन में किसानों की बेशकीमती जमीनों की नीलामी का इससे बड़ा सबूत क्या हो सकता है कि जमीन नीलाम करने वाली बैंकों द्वारा रिकॉर्डेड 82.42 करोड़ रुपये का तो केवल कमीशन राजस्व कार्मिकों को दिया गया। इसमें से 24.73 करोड़ का कमीशन पटवारियों को मिला है।

राठौड़ ने कहा कि राजस्थान सरकार राजस्व (ग्रुप-2) विभाग के आदेश के अनुसार कुर्की के माध्यम से नीलाम होने वाली कृषि भूमियों की कीमत पर कुल 5 प्रतिशत कमीशन राजस्व कार्मिकों-पटवारी, गिरदावर, टीआरए, तहसीलदार एवं उपखंड अधिकारी को देने का प्रावधान है। इसमें से 1.5 प्रतिशत पटवारी, 1 प्रतिशत गिरदावर, 0.50 प्रतिशत टीआरए, 1.10 प्रतिशत तहसीलदार एवं 0.5 प्रतिशत उपखंड अधिकारी को कमीशन मिलता है। राठौड़ ने कहा कि सरकार किसानों को निरंतर गुमराह करती आ रही है कि उन्होंने किसानों का कर्जामाफ कर दिया है। लेकिन हकीकत में किसानों की कर्जमाफी तो दूर उनकी जमीनें भी नीलाम हो चुकी है। किसान कर्जमाफी की घोषणा के 10 दिन से लेकर आज 1700 दिन से ज्यादा हो गये हैं लेकिन राहुल गांधी की गिनती अभी तक पूरी नहीं हुई है और किसान अपने आप को ठगा सा महसूस कर रहे हैं। प्रदेश में श्रीगंगानगर के किसान सोहनलाल, हनुमानगढ़ के किसान सुरजाराम, करौली में किसान कमलराम मीणा सहित दर्जनभर किसान आत्महत्या जैसा कदम उठा चुके हैं। सरकार ने राष्ट्रीयकृत बैंकों, अनुसूचित बैंकों, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के ऋणी किसानों के कर्जमाफ हेतु सुझाव देने के लिए कल्ला कमेटी का गठन किया था जो अल्लाह को प्यारी हो गई। कर्जमाफी को दूर की कौड़ी है, किसानों को अब ना तो बिजली मिल रही है और ना ही सिंचाई के लिए पानी। किसानों को ठगने वाली इस सरकार की अब उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है।

राजेंद्र राठौड़ चूरू से 100 फीसदी हारेंगे : डोटासरा

जयपुर, (का.प्र.)। नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ की ओर से गोविंद सिंह डोटासरा को अहंकारी रावण बताये जाने वाले बयान पर हैदराबाद से लौटने के बाद डोटासरा ने जवाब देते हुए कहा कि रावण विद्वान तो था ही। यह तो मानते हो। विद्वान ब्राह्मण था। ये राठौड़ चूकते नहीं हैं। कभी ब्राह्मणों के खिलाफ टिप्पणी करते हैं। कभी जाटों के खिलाफ टिप्पणी करते हैं। कभी किसी और ओबीसी के विरोध में टिप्पणी करते हैं।

■ राजेंद्र राठौड़ ने गोविंद सिंह डोटासरा को बताया था अहंकारी रावण

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि कभी ये ओबीसी के अध्यक्ष को हटा देते हैं, कभी कुछ कर देते हैं। ये बौखलाए हुए हैं। कुछ भी कह सकते हैं। प्रतिपक्ष का नेता केवल लक्ष्मणगढ़ में मीटिंग करे और उसमें भी 3000 लोग हों। उस सभा में भी केवल गोविंद डोटासरा पर बोले। व्यक्तिगत कमेंट करें तो समझ सकते हैं इनकी हालत कितनी पतली है। यात्रा में कम से कम अपनी सरकार का विजन पेश करते। हमारी योजनाओं की कमी खामी बताते। मोदी की योजना की कोई खासियत बताते, लेकिन ये केवल मेरे खिलाफ अनर्गल आरोप लगाते रहे। डोटासरा ने कहा कि मैं फिर कह रहा हूं। राजेंद्र राठौड़ इस बार चूरू से चुनाव नहीं लड़ेंगे। लड़ेंगे तो 100 फीसदी हारेंगे। इसीलिए बौखलाहट में व्यक्तिगत आरोप लगाते हैं। वो सीनियर हैं। इसलिए मैं व्यक्तिगत आरोप नहीं लगाता। नहीं तो सुबह से शाम हो जाए।

मेयर मुनेश गुर्जर की याचिका का निस्तारण

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने हेरिटेज नगर निगम की मेयर मेयर मुनेश गुर्जर की याचिका का सारहीन होने के चलते निस्तारण कर दिया है। जस्टिस इंद्रजीत सिंह ने यह आदेश दिए। याचिका में मुनेश गुर्जर ने अपने निलंबन को चुनौती दी थी। अदालत ने कहा कि जिस निलंबन आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी, वह आदेश राज्य सरकार ने वापस ले लिया है। ऐसे में अब याचिका पर आगे सुनवाई करने का कोई औचित्य नहीं है। वहीं यदि याचिकाकर्ता के खिलाफ राज्य सरकार किसी तरह का कोई नया आदेश जारी करती है तो उसे नए सिरे से हाईकोर्ट में याचिका दायर कर चुनौती दी जा सकती है।

असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती में तय सीटें आरक्षित नहीं रखने पर मांगा जवाब

जयपुर, (का.सं.)।हाईकोर्ट ने असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती-2023 में एससी और एसटी के लिए तय आरक्षण के अनुपात में सीटें आरक्षित नहीं रखने पर राज्य सरकार से जवाब तलब किया है। अदालत ने मुख्य सचिव, कार्मिक सचिव, कॉलेज शिक्षा निदेशक और आरपीएससी सचिव से पूछा है कि क्यों ना भर्ती विज्ञापन को रद्द कर नए सिरे से विज्ञापन जारी करने के निर्देश दिए जाए। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह आदेश डॉ. राहुल मौर्य व अन्य की ओर दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि राजस्थान लोक सेवा आयोग ने गत 22 जून को रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और भौतिक विज्ञान सहित कुल 48 विषयों के लिए असिस्टेंट प्रोफेसर पद की भर्ती निकाली। याचिका में कहा गया कि आरक्षण नियमों के तहत प्रदेश की सरकारी सेवाओं में एसटी वर्ग को 12 फीसदी और एससी वर्ग को 16 फीसदी आरक्षण का लाभ दिया जा रहा है। इसके बावजूद इस भर्ती में आरपीएससी ने आरक्षण नियमों की अवहेलना की है। कार्मिक विभाग की ओर से इस संबंध में जारी अधिसूचना और रोस्टर पाइंट को भी लागू नहीं किया गया है। याचिका में बताया गया कि इस भर्ती में भौतिक विज्ञान के कुल साठ पदों के लिए आवेदन मांगे गए हैं। ऐसे में आरक्षण नियमों के तहत एसटी वर्ग के लिए 8 और एससी वर्ग के लिए 10 पद आरक्षित रखे जाने थे। जबकि आयोग ने एसटी वर्ग के लिए एक पद और एससी वर्ग के लिए 2 पद ही आरक्षित रखे हैं। याचिका में यह भी कहा गया कि गत भर्ती के बैकलॉग पद भी रिक्त चल रहे हैं। ऐसे में याचिकाकर्ताओं का संविधान प्रदत्त अधिकारों की अवहेलना हुई है। इसलिए आरपीएससी को निर्देश दिए जाए कि वह इस भर्ती विज्ञापन को रद्द कर आरक्षण नियमों की पालना करते हुए पदों का नए सिरे से निर्धारण कर भर्ती विज्ञापन जारी करे।

अब राज्य सरकार रिटायर कर्मचारियों को नहीं कर पायेगी परेशान

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य के वेयर हाउसिंह कॉर्पोरेशन से नौ साल पूर्व सेवानिवृत्त हो चुके कर्मचारियों से राज्य सरकार द्वारा सेवा के दौरान मिली अधिक राशि को वसूलने के आदेश को रद्द कर दिया। यह आदेश न्यायाधीश एम.एम.श्रीवास्तव व प्रवीर भटनागर की खंडपीठ ने जयकुमार चतुर्वेदी की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिये। इस मामले में याचिकाकर्ता की ओर से दीपक शर्मा पैरवी के लिये पेश हुए।

■ सेवानिवृत्त हो चुके कर्मचारियों से नहीं वसूल पायेगी गलती से अधिक भुगतान की गई राशि

मामले के तथ्य के अनुसार वर्ष 2011 में राज्य सरकार ने राजस्थान वेयर हाऊसिंग कॉर्पोरेशन के कुछ कर्मचारियों को, उनकी सेवानिवृत्त के नौ साल बाद, यह नोटिस जारी किया कि उनसे कुछ राशि वसूली जायेगी क्योंकि उनकी राज्य में सेवा के दौरान उन्हें गलती से अधिक राशि का भुगतान कर दिया गया था। राज्य सरकार के इस नोटिस को जयपुर तथा जोधपुर हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी और दोनों ही अदालतों की एकलपीठ ने याचिकाकर्ताओं के पक्ष में फैसला दिया था। इस फैसले की अपील भी राज्य सरकार ने दोनों अदालतों की खंडपीठ में की थी। जोधपुर हाईकोर्ट में 12 सितम्बर को राज्य सरकार की अपील को भी खारिज कर दिया गया और सोमवार को इसे जयपुर में भी राज्य सरकार की अपील को खारिज कर दिया गया। दरअसल सुप्रीम कोर्ट का इन मामलों में आदेश स्पष्ट है कि सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों से एक साल के अंदर ही राशि वसूली जा सकती है, अगर पांच साल से अधिक समय तक उन्हें अधिक राशि का लाभ मिला हो।

भाजपा किसान मोर्चा अन्याय के खिलाफ आवाज उठाएं : चन्द्रशेखर

जयपुर। भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री ओ.पी. यादव ने बताया कि भाजपा किसान मोर्चा की प्रदेश स्तरीय बैठक भाजपा प्रदेश कार्यालय, जयपुर में प्रदेशाध्यक्ष हरिराम रणवां की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इस बैठक में भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर, मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री एवं राजस्थान प्रदेश प्रभारी रामनरेश तिवाड़ी, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं मोर्चा प्रदेश प्रभारी नारायण सिंह देवल का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ एवं प्रदेश स्तरीय बैठक में मोर्चे के प्रदेश पदाधिकारी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, जिलाध्यक्ष, संभाग प्रभारी, जिला प्रभारी, सोशल मीडिया प्रदेश टीम एवं सोशल मीडिया जिला प्रभारी उपस्थित रहे।

भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर ने मोर्चे के प्रत्येक पदाधिकारियों से आव्हान किया कि वह अपने-अपने ग्राम स्तर पर संगठन को मजबूत करने के साथ-साथ, किसान विरोधी इस कांग्रेस सरकार में किसानों के साथ हो रहे अन्याय एवं अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठायें। मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष हरिराम रणवां ने बैठक को सम्बोधित करते हुए प्रदेश में कांग्रेस सरकार बनते ही किसानों की सम्पूर्ण कर्जामाफी की जायेगी, जो अभी तक नहीं की गई। आज भी किसान अपनी पूर्ण कर्जमाफी का इंतजार कर रहा है। कांग्रेस द्वारा प्रदेश में सरचार्ज, फ्यूल चार्ज ना बढ़ाने का वादा किया था, लेकिन कांग्रेस की सरकार बनते ही बिलों में वृद्धि करके किसानों की कमर तोड़ दी। साथ ही बिजली कटौती करके किसानों के साथ में धोखा किया। ऐसी निकम्मी सरकार को आने वाले विधानसभा चुनाव में प्रदेश का किसान सबक सिखाएगा।मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री एवं किसान मोर्चा राजस्थान के प्रदेश प्रभारी रामनरेश तिवाड़ी ने बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि भाजपा किसान मोर्चा को प्रत्येक बूथ स्तर पर केन्द्र सरकार की किसान जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाने की आवश्यकता है, जिससे की हर एक किसान को इन योजनाओं के माध्यम से लाभ मिल सके।

■ कांग्रेस सरकार बनते ही किसानों की सम्पूर्ण कर्जमाफी की जायेगी : हरिराम रणवां

34 साल पहले मामले में सजा कम की

जयपुर। हाईकोर्ट ने गैर इरादतन हत्या के मामले में 34 साल पहले पेश अपील का निस्तारण करते हुए अभियुक्त को मिली सजा को कम करते हुए उसे भुगती हुई सजा तक सीमित कर दिया है। हालांकि अदालत ने कहा कि यदि मामले में लगाया गया हर्जाना अभियुक्त दो माह में जमा नहीं कराता है तो उसे डिफॉल्ट सजा भुगतनी होगी।

जनता जलकर्मियों का महापड़ाव स्थगित हुआ

जयपुर। राजधानी में शहीद स्मारक पर पिछले 2 दिन से स्थाईकरण की मांग को लेकर चल रहा जनता जल कर्मियों का महापड़ाव सोमवार को जलदाय मंत्री महेश जोशी के आश्वासन के बाद समाप्त हो गया।

बारिश के बावजूद प्रदेश भर से हजारों जनता जल योजना के कर्मचारी अपने स्थाईकरण की मांग को लेकर दो दिन से जयपुर में शहीद स्मारक पर महापड़ाव डाले हुए थे। रविवार को प्रदेश भर से आए जनता जल कर्मियों को संबोधित करते हुए प्रदेश जनता जल योजना श्रमिक यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष प्रहलाद राय अग्रवाल ने कहा कि जनता जल योजना के कर्मचारी पिछले 10 वर्षों से नियमित करने के लिए सरकारों के खिलाफ आंदोलन करते आ रहे हैं, परन्तु दुर्भाग्य है कि जो भी सरकार रही वह सिर्फ कर्मचारियों को आश्वासन देती रही। पिछले दिनों 13 मार्च को मुख्यमंत्री ने जनता जल योजना से जुड़े हुए कर्मचारियों को पंचायत राज से हटाकर जलदाय विभाग के अधीन करने के आदेश दिये थे। साथ ही जनताजल योजना श्रमिकों को जलदाय विभाग मे समायोजित करते हुए स्थाईकरण करवाने की घोषणा की थी। लेकिन बड़ी विडंबना है कि मुख्यमंत्री के निर्देश के बावजूद भी आज तक उन्हें स्थाई नहीं किया गया। कर्मचारी नेता गजेंद्र सिंह राठौड़ ने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार हमारी बात नहीं मानती है तो सीएम हाउस कूच किया जाएगा। इस दौरान जलदाय मंत्री डॉक्टर महेश जोशी धरना स्थल पर पहुंचे। उन्होंने मुख्यमंत्री व अधिकारियों से बात कर समाधान का आश्वासन दिया।

पडौसी ने किया युवती से दुष्कर्म

जयपुर । झोटवाड़ा इलाके में पडौसी द्वारा युवती से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपी ने युवती को घर में अकेला देखा तो जबरन अंदर घुस गया और उसके साथ जबरदस्ती की। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देकर अश्लील वीडियो बना लिया। पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ झोटवाड़ा थाने में एफआईआर दर्ज करवाई है। पुलिस ने बताया कि झोटवाड़ा निवासी 19 साल की युवती ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। आरोप है कि पडोसी युवक पिछले 2 महीने से उसको परेशान कर रहा था। दोस्ती करने का दबाव बना रहा था। 10 दिन पहले वह घर पर अकेली थी। इसी दौरान आरोपी पडौसी जबरन घर में घुस आया।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के स्वागत को लेकर बैठक

जयपुर। भाजपा जयपुर शहर की बैठक का आयोजन भाजपा जयपुर शहर कार्यालय पर आयोजित हुई। जिसमें बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष राघव शर्मा और पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी ने की। बैठक 19 मई को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा साथ ही राष्ट्रीय कार्यकारिणी पदाधिकारी के स्वागत को लेकर की गई। जिला अध्यक्ष राघव शर्मा ने बताया 19 मई को राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और राष्ट्रीय पदाधिकारियों के स्वागत के लिए तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। तैयारियों में बूथ स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक के कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी गई है। राष्ट्रीय अध्यक्ष और राष्ट्रीय पदाधिकारी के स्वागत के लिए 5 पॉइंट निश्चित किए गए हैं जिसमें पहला पॉइंट एयरपोर्ट सांगानेर, दूसरा गांधी सर्किल, तीसरा ट्रांसपोर्ट नगर, और चौथा खोले के हनुमान जी, आमेर कुंडा रहेगा। उसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष कार्यसमिति की बैठक लेंगे जो आमेर कुंडा स्थित होटल लीला में होगी। इसके बाद 20 मई को शाम 7 बजे भारतीय जनसंघ के संस्थापक सुंदर सिंह जी भंडारी पुस्तक का विमोचन करेंगे। विमोचन कार्यक्रम बिरला सभागार में होगा। इन सभी की तैयारियों को लेकर जयपुर शहर कार्यालय में अरुण चतुर्वेदी और राघव शर्मा ने तैयारियों का जायजा लिया।

एस.के.फाइनेंस वर्ल्ड हेल्थ एंड वेलनेस फेस्ट 7 -8 अक्टूबर को

जयपुर, (का.सं.)। भारत के एकमात्र और बहु प्रतिष्ठित एस.के फाइनेंस वर्ल्ड हेल्थ एंड वेलनेस फेस्ट के तीसरे संस्करण का मंच सजने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस फेस्ट का आयोजन 7-8 अक्टूबर को जयपुर में जवाहर कला केंद्र के शिल्प ग्राम में एस.के. फाइनेंस और संस्कृति युवा संस्था द्वारा किया जा रहा है। फेस्ट में हेल्थ एंड वेलनेस के अलग-अलग आयामों से जुड़े 100 से अधिक एक्सपर्ट विभिन्न सेशन के जरिये अपनी बात रखेंगे। राजस्थान में चिकित्सा जगत के पितामह कहे जाने वाले और आर.यू.एच.एस. कुलपति, डॉ. सुधीर भंडारी इस कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक होंगे।

फेस्ट के सह-संस्थापक, नरिशन्त शर्मा और मुकेश मिश्रा ने बताया कि, फेस्ट में सेशन् के अलावा 2000 लोग भांगड़ा ज़ुम्बा का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने की कोशिश करेंगे। जिसमे भांगड़ा फिटनेस सोशल मीडिया पर फेमस एश्ली कौर भांगड़ा करेंगी और साथ में ज़ुम्बा भी होगा, ओशो डायनमिक मैडिटेशन, वैलनेस ह्यूमन बुक्स, क्लोज टू नेचर वर्कशॉप जैसे कार्यक्रम भी होंगे। साथ ही हेल्थ एन्ड लाइफस्टाइल एक्जीबिशन भी लगेगी। कार्यक्रम में आम लोगों के लिये प्रवेश पूर्णतया निःशुल्क है लेकिन फेस्ट की वेबसाइट पर पहले पंजीकरण करवाना आवश्यक है।

गणेश चतुर्थी पर सुरक्षा व्यवस्था के विशेष इंतजाम

जयपुर। गणेश चतुर्थी का पर्व मंगलवार को प्रदेशभर में धूमधाम से मनाया जाएगा। इसे लेकर जयपुर शहर के मोती डूंगरी गणेश मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने के चलते कानून-व्यवस्था और यातायात के विशेष इंतजाम किए गए है। मोती डूंगरी गणेश मंदिर के चारों ओर बैरिकेडिंग की गई है। इससे भीड़ का नियंत्रित किया जाएगा।

मंदिर परिसर के आसपास सीसीटीवी कैमरों के जरिए निगरानी रखी जाएगी। कंट्रोल रूम के जरिए पुलिस अधिकारी तमाम सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी रखेंगे।

इसके लिए अतिरिक्त जाप्ता लगाया गया है। इस बार विशेष तौर से एआई तकनीक वाले कैमरे लगाए जाएंगे। इन कैमरों के जरिए पुलिस अपराधियों का डाटा एप पर अपलोड करेगी। एआई तकनीक आधारित कैमरों को फेस रिकग्निशन एप से जोड़कर काम में लिया जाएगा, जिससे भीड़ में शामिल बदमाशों को भी चिह्नित किया जाएगा।

वहीं 3 दिनों तक यातायात के भी विशेष इंतजाम रहेंगे।

कार सवार युवकों ने कैफे में घुसकर तोड़फोड़ की

कैफे में कार्यरत स्टाफ द्वारा पानी की बोतल के पैसे मांगने पर हुआ झगड़ा

जयपुर। राजधानी जयपुर के अशोक नगर क्षेत्र के एक कैफे के स्टाफ को कार सवार युवकों ने इसलिए पीट दिया क्योंकि उन्होंने पानी की बोतल के पैसे मांगे थे। युवकों ने कैफे में तोड़फोड़ कर काउंटर को भी नीचे गिरा दिया। पूरी घटना कैफे में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई। पीड़ितों ने अशोक नगर थाने में केस दर्ज कराया है। पुलिस थार गाड़ी में सवार होकर आए युवकों की तलाश में जुटी है। इस घटना के अगले दिन कुछ बाइक सवारों ने स्टाफ को धमकाया कि एफआईआर करवाई तो कैफे को आग लगा देंगे। पुलिस ने बताया कि बगरूवालों का रास्ता (चांदपोल बाजार) में रहने वाले दिनेश कुमार शर्मा ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। उसने बताया- जमुना लाल बजाज मार्ग सी-स्कीम पर उनके बेटे अक्षय का टीपीसी नाम से कैफे है। वे दिन के समय कैफे का काम करते हैं। रात के समय टेक-अवे का काम होता है। गत 15 सितंबर की रात करीब 2.45 बजे थार गाड़ी में चार लड़के आए। कैफे बंद होने की बात कहने पर पानी की बोतल मांगने लगे। कैफे का कर्मचारी प्रमोद पानी की बोतल देने गया। पैसे मांगने पर कार में बैठे लड़के प्रमोद से झगड़ा करने लगे। मारपीट करने पर प्रमोद भागकर कैफे के अंदर आ गया। चारों लड़के थार गाड़ी से नीचे उतरकर कैफे के अंदर आ गए और स्टाफ से मारपीट कर कपड़े तक फाड़ दिए। धमकी देकर जाते समय कैफे में तोड़फोड़ कर काउंटर को भी नीचे गिरा दिया। अगले दिन केस दर्ज करवाया गया। अशोक नगर थाने में शिकायत करने पर अगले दिन बाइक पर आए कुछ लड़कों ने धमकी दी कि एफआईआर करवाई तो कैफे को आग लगा देंगे और बंद करवा दंगे। तुम हमारा कुछ नहीं कर सकते।

104 वाहन चोरों के ठिकानों पर दबिश, 34 गिरफ्तार

जयपुर। पुलिस कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) ने करणी विहार, श्याम नगर, जवाहर सर्किल, महेश नगर, झोटवाड़ा, मुहाना, शिवदासपुरा, शिप्रापथ, बजाज नगर, मुरलीपुरा, मानसरोवर, आमेर, जालूपुरा, कोतवाली, महेश नगर, ट्रांसपोर्ट नगर एवं माणकचौक थाना इलाके में वाहन चोरों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया और 34 वाहन चोरों को गिरफ्तार किया। 17 थाना इलाकों में 104 वाहन चोरों के ठिकानों पर दबिश दी गई। पुलिस ने बदमाशों के पास से चोरी की 67 बाइक, 1 बाइक का इंजन, 9 बाइक के पार्ट्स और 4 चोरी के मोबाइल बरामद किए। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट पुलिस ने वाहन चोरी में विभिन्न थानों के 70 चालान शुदा अपराधियों से पूछताछ की। जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि सीएसटी ने 10 से ज्यादा थाना इलाके में वाहन चोरों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए जयपुर के शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया। इन बदमाशों के पास से अलग-अलग थाना पुलिस ने बड़ी संख्या में चोरी के वाहनों को जब्त किया है। गिरफ्तार बदमाशों की सूचना पर अन्य चोरी के वाहन भी पुलिस जल्द बरामद कर सकती है। पुलिस ने आकाश चौबे निवासी वाल्मिकी नगर मालवीय नगर,अजय महावर निवासी झालाना कच्ची बस्ती मालवीय नगर, विशाल बमेन निवासी वाल्मिकी नगर मालवीय नगर,सागर चौहान उर्फ शक्ति निवासी फागी जिला जयपुर ग्रामीण, लोकेश मोर निवासी मौजमाबाद जिला जयपुर ग्रामीण, लोकेश निवासी चकवाड़ा फागी जिला जयपुर ग्रामीण, नवरत्न मीणा निवासी सवाईमाधोपुरा हाल नया मौजा पुलिस थाना मोजमाबाद जिला जयपुर,दिलीप सिंह निवासी चौरु फागी जिला जयपुर ग्रामीण, ओमप्रकाश गोस्वामी निवासी बजरंग वाटीका बिंदायका शिवार मोड जयपुर,राकेश बैरवा निवासी लांबा हरिसिंह जिला टोंक को गिरफ्तार किया है। इसी तरह बबलू जांगिड़ निवासी लांबा हरिसिंह जिला टोंक, जयसिंह निवासी आंटोली जिला टोंक, मिजान शेख निवासी आमेर, किशन निवासी मालवीय नगर जयपुर, आकाश राय निवासी मालवीय नगर जयपुर, आकाश मेहता निवासी रोहिणी विहार खोरा बिसल जयपुर, दानिश उर्फ मक्खी निवासी नाजिर जयसिंहपुरा खोर ,रवि मल्होत्रा निवासी रामगंज जयपुर,नरेन्द्र उर्फ डेमो उर्फ सागर निवासी टोंक हाल रामंगज ,बाबू उर्फ सलीम निवासी सांगानेर जयपुर,रहीश खान निवासी ईटावा जिला कोटा हाल सांगानेर जयपुर, बीमन्तर वरमन निवासी मालवीय नगर जयपर,अजय बैरवा निवासी मालवीय नगर जयपुर, शहजाद उर्फ मुन्नू खान निवासी जयसिंहपुरा खोर जयपुर,रैहान उर्फ नन्हा उर्फ नन्नू निवासी गलतागेट जयपुर, अंकित निवासी शिवदासपुरा जयपुर, राहुल सिंह उर्फ जसविन्दर सिंह निवासी गलतागेट जयपुर, शिवम मंगवान उर्फ युगल गलतागेट जयपुर, विपिन राजावत निवासी टोडाभीम जिला करौली हाल करधनी जयपुर, गिरधर सिंह निवासी सिरसी रोड जयपुर,हैप्पी सिंह राठौड़ निवासी हाथोज फाटक सिरसी रोड जयपुर,धीरज जांगिड़ निवासी राज विहार गांव सिरसी जयपुर,जॉन आशिष निवासी करणी विहार जयपुर,बलराम चौधरी निवासी जयपुर को गिरफ्तार किया है।

लड्डू प्रसादी वितरण आज पूरे दिन

जयपुर। श्री खोले के हनुमान मंदिर स्थित नृत्य गोपाल गणेश मंदिर में गणेशोत्सव पर भक्तों को सुबह से रात तक लड्डू प्रसादी का वितरण किया जाएगा। श्री नरवर आश्रम सेवा समिति के महामंत्री बृजमोहन शर्मा ने बताया कि गणेश चतुर्थी पर सुबह 5 बजे नृत्य गोपाल गणेश का अभिषेक किया जाएगा। नई पोशाक धारण कराकर श्रृंगार किया जाएगा।

सार-समाचार

मोबाइल वेन देगी विधिक जानकारी : हारून

जालोर, (कासं)। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जालोर के मोबाइल वेन जालोर पहुंचने पर सोमवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं जिला न्यायाधीश हारून ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जालोर के सचिव अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश विरेन्द्र कुमार मीणा ने बताया कि इस मोबाइल वेन के जरिये गांवों में विधिक सेवा प्राधिकरण की योजनाओं एवं कार्यक्रमों की आमजन को जानकारी दी जाएगी। विभिन्न योजनाओं की जानकारी देने वाले पंपलेट्स वितरित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि यह वाहन मंगलवार को सांफाडा, आंवलोज, केशवना आदि गांवों में जाएगा। इसी प्रकार बुधवार को धवला, नारणावास एवं बागरा आदि गांवों में जाकर योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। हरी झंडी दिखाने के दौरान पोक्सो कोर्ट के न्यायाधीश हुकमसिंह राजपुरोहित, पारिवारिक न्यायालय की न्यायाधीश शैल कुमारी सोलंकी, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट डॉ. सरोज सींवर, एसीजेएम संख्या द्वितीय जालोर अंकित दवे, न्यायिक मजिस्ट्रेट हर्षिता राठौड, बार एसोसिएशन के उपाध्यक्ष इन्दाराम मेघवाल, एडवोकेट सरदार खान खोखर, मुमताजअली, गोपाल जोशी, रामसिंह चंपावत, अजय ओझा, पदमसिंह भाटी, प्रवीण कुमार सहित बार एसोसिएशन के अन्य अधिवक्तागण मौजूद रहे।

निजी स्कूलों ने आर.टी.आई. का पेमेंट मांगा

पाली, (नि.सं.)। निजी शिक्षण विकास समिति की एक मीटिंग नेहरू उद्यान में आयोजित की गई। मीटिंग में सत्र 2022-23 की प्रथम किस्त का भुगतान अभी तक न होने पर सभी निजी स्कूल संचालकों ने जिला शिक्षा अधिकारी प्राथमिक को ज्ञापन देने का निर्णय किया। पूर्व में भी दो बार जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक से मिलने के बाद भी का भुगतान न हो पाया। निजी स्कूल के संचालकों ने का भुगतान न होने पर जबरदस्त रोष व्यक्त किया। मीटिंग में निजी शिक्षण संस्थान के अध्यक्ष प्रदीप दवे ने दो-तीन दिन में भुगतान न होने पर कलेक्टर को ज्ञापन देने की बात कही। सचिव पुखराज शर्मा ने सभी निजी स्कूल के संचालकों को एकजुट होकर इस लड़ाई लड़ने का आहवान किया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष जयशंकर त्रिवेदी ने बताया कि हमारी मांगे पूरी नहीं होने पर हम धरने पर बैठेंगे। मीटिंग में रमाकांत मिश्रा, जोगाराम देवासी, हरवंश दवे, गुलाम मोहम्मद, दलपत सिंह गणपत निम्बाक , कानाराम कीर जय सिंह जोधा ,जोगाराम गोयल जसवंत पवार , छगन राज बागोरिया, घनश्याम मेघवाल राजाराम माली, शंकर लाल गहलोत, प्रवीण दाधीच, नंदकिशोर जांगिड़, नागेश्वर जोशी, रामनरेश ठाकुर आदि स्कूल संचालक मौजूद रहे।

पर्यूषण पर्व पर मंदिरों में सजी आंगी

पाली, (नि.सं.)। जैन समाज के प्रयू षण पर्व पर रोजाना धार्मिक कार्यक्रम के आयोजन हो रहे हैं। शाम होते ही शहर के विभिन्न मंदिरों में समाज बंधु आगी के दर्शन करने पहुंचते हैं। पर्यूषण पर्व पर घोड़ी पार्श्वनाथ, संकेश्वर पार्श्वनाथ शांतिनाथ जैन मंदिर, नवलखा जैन मंदिर ,दादाबाड़ी, संभवनाथ, आदि मंदिरों में रोजाना नई-नई प्रकार की मखमल, रेशम चांदी सोने का वर्क सोने का वर्क आदि की भगवान की आंगी जाती है। मंदिरों पर भी आकर्षक रोशनी, रंगोली दिखती है। लोग शाम को प्रभावना भी लेते हैं। सोमवार को जोधपुर आवास स्थित भैंरुजी मंदिर, घोड़ी पारसनाथ मंदिर में दर्शन आरती के लिए श्रद्धालु उमड़े। पाली शहर के सभी जैन उपासरों में संतों के प्रवचन, भक्ति प्रतिक्रमण कार्यक्रम चल रहे हैं। राणा प्रताप चौक में दूसरे दिन भी 14 सपना जी देखना लोगों की भीड़ रही। अध्यक्ष आनंद कवाड़ के नेतृत्व में भक्ति का कार्यक्रम भी हुआ। यहां पर करीब 6000 नारियल भी प्रभावना में बांटे गए, जिसमें जरावाला मित्र मंडल के सभी सदस्यों का सहयोग रहा।

रंगोली व पोस्टर प्रतियोगिता हुई

जालोर, (कासं)। मतदाताओं को जागरूक करने के लिए स्वीप गतिविधि के तहत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जालोर में रविवार को रंगोली और पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन विकास अधिकारी जालोर पंचायत समिति भोमसिंह इंदा और अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी जालोर किस्तूराराम बामणिया के सानिध्य में किया गया। प्रतियोगिता प्रभारी प्रियंका शर्मा ने बताया कि रंगोली प्रतियोगिता में 36 और पोस्टर प्रतियोगिता में 16 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। रंगोली प्रतियोगिता में कल्पना चावला दल, पी वी सिंधु दल , सानिया मिर्जा दल ने क्रमशः प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। पोस्टर प्रतियोगिता में सोनम, भावेश और मनीष चौधरी ने क्रमशः प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। अतिथियों द्वारा विद्यार्थियों को मतदान के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई । साथ ही विद्यार्थियों को मतदान के विषय में जागरुकता फैलाने के लिए प्रेरित किया गया। संस्था प्रधान चैनकरण सिंह करणोत ने विद्यार्थियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित था।

शौर्य जागरण यात्रा का स्वागत

जोधपुर, (कासं)। हिन्दू समाज में जनजागरण के लिए बजरंग दल द्वारा निकाली जा रही शौर्य जागरण यात्रा का झालामंड स्थित श्री श्रीयादे माता धाम पहुंचने पर कुम्हार प्रजापत समाज ने यात्रा का स्वागत किया। रामरथ पर विराजमान योगीराज महन्त सत्यमगिरी एवं गुरु ओम चैतन्य महाराज का श्री श्रीयादे धाम के अध्यक्ष रामचंद्र रुंणगतिया, चुन्नीलाल बनावडिया, शहर भाजपा उपाध्यक्ष हंसराज प्रजापत, ताराचन्द जागरवाल, तरुण सोतवाल, दयाल प्रजापत, दुदाराम, धर्माराम सिंनावडिया, हनुमान, प्रदीप बनावडिया, विक्रम मोरवाल आदि ने हिन्दू धर्म संस्कृति के जागरण के लिए निकाली जा रही शौर्य यात्रा का स्वागत किया।

तुलसी के पौधे बांटे

पोकरण, (निसं)। भारत विकास परिषद शाखा पोकरण द्वारा बारहट का गांव पं. प्रह्लाद द्वारा भागवत कथा वाचन विश्राम एवं स्वामी की ढाणी महंत औंकार भारती के चातुर्मास प्रवास पर भारत विकास के कोषाध्यक्ष अचल दान रतनू, मदन गोपाल जांगिड़, उपाध्यक्ष देवीसिंह भाटी, उपाध्यक्ष जगदीश चौधरी ने अलग अलग स्थानों पर पहुंच कर 300 तुलसी के पौधों का वितरण किया। सचिव कुंभ सिंह चांपावत ने पर्यावरण चेतना का संदेश देते हुए कहा कि तुलसी का मानव जीवन में योगदान अतुल्य है। कथावाचक पंडित प्रह्लाद एवं महंत रावलपुरी, महंत औंकार भारती ने प्रत्येक घर में गाय और तुलसी की महत्ता पर प्रकाश डाला।

मुआवजा किसानों का हक : विधायक बिश्नोई

जोधपुर, (कासं)। लूणी पंचायत समिति के सभागार में सोमवार को विधायक महेंद्र विश्नोई की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। बैठक में बारिश से खराब हुई फसलों के नुकसान का आंकलन कर किसानों को शीघ्र मुआवजा दिलाने को लेकर चर्चा की गई।बैठक में विधायक महेंद्र विश्नोई ने कहा कि बीमा कम्पनियो की मनमानी नहीं चलेगी। उन्होंने लूणी एसडीएम, लूणी तहसीलदार, झंवर, कुड़ी, जोधपुर तहसीलदार, कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों को फसल खराब होने पर अधिक से अधिक मुआवजा दिलाने को लेकर जल्द से जल्द खराबे की रिपोर्ट तैयार करके बीमा कम्पनियों को भिजवाए जाए। उन्होंने कहा कि कोई किसान मुआवजे से वंचित नहीं रहना चाहिए। मुआवजा किसानों का हक है। बैठक में कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि फसल खराबे का सर्वे करवाकर किसानों की शिकायतें ऑफलाइन भी ली जा रही है।

गुन्दाला में भवन का लोकार्पण

पोकरण, (निसं)। अल्पसंख्यक मामलात मंत्री सालेह मोहम्मद ने सोमवार को पोकरण के नव गठित ग्राम पंचायत गुन्दाला के भवन का लोकार्पण किया तथा रायपालो की ढाणी ग्राम पंचायत झलारिया में स्कूल कार्य, सड़क, टिन शेड, कचरा संग्रहण केंद्र सहित अन्य विभिन्न विकास कार्यों के शिलान्यास एवं लोकार्पण किए। इस दौरान आमजन को संबोधित करते हुए केबिनेट मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आमजन के कल्याण के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने ग्रामीणों से संवाद भी किया और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

लाचू कर्मचारी संघर्ष समिति का धरना

जोधपुर, (कासं)। लाचू कॉलेज प्रशासन के खिलाफ लाचू कॉलेज कर्मचारी संघर्ष समिति द्वारा दिया जा रहा अनिश्चितकालीन धरना सोमवार को भी जारी रहा। कर्मचारियों ने मांगों को लेकर शहर विधायक मनीषा पंवार को ज्ञापन भी सौंपा है वहीं इसकी प्रति मुख्यमंत्री को भी भेजी है।

गणेश चतुर्थी आज, मंदिरों में उत्सव की धूम रहेगी

जोधपुर, (कासं)। गणेश चतुर्थी मंगलवार को मनाई जाएगी। इसको लेकर शहर के मंदिरों में विशेष तैयारियां की गई है। सोजती गेट मन्दिर पर दर्शन की विशेष व्यवस्था की गई है। जूनीमण्डी के पास स्थित इश्किया गजानन्द मन्दिर को भी सजाया संवारा गया है। किला रोड स्थित अमरनाथ महादेव मंदिर के गणेश के दर्शन के लिए कल एक दिन के लिए सुबह पट्टे खोले जाएंगे। रातानाडा स्थित गजानन मंदिर में भी मंगलवार से 9 दिन तक महोत्सव मनाया जाएगा। 19 सितंबर को पहले दिन भगवान गजानन का पांच नई पोशाक और गहनों के साथ श्रृंगार किया जाएगा। विभिन्न ऋतु पुष्पों से मंदिर की आकर्षक सजावट की जाएगी।

मंदिर में प्रथम दिन मंगलवार को 5:00 बजे भगवान की महा आरती होगी। सुबह 10:00 बजे महोत्सव का आगाज ध्वजारोहण के साथ किया जाएगा। इसमें भगवान गजानन का विशेष श्रृंगार के साथ 51 हजार सूखे मेवे से बने लड्डुओं का भोग लगाया जाएगा। हर वर्ष की भांति इस बार भी यह प्रसाद श्रद्धालुओं में वितरित किया जाएगा।

पुजारी राहुल शर्मा ने बताया कार्यक्रम की कड़ी में 22 सितंबर को स्कूल के बच्चे अखंड गीता का पाठ करेंगे। 24 को सुंदरकांड का पाठ किया जाएगा। अनंत चतुर्दशी के मौके पर महा रुद्राभिषेक होगा। लगभग 4 घंटे तक चलने वाले इस महारुद्राभिषेक में भगवान गणपति सहस्त्रनाम के साथ भगवान का इत्र से अभिषेक होगा। मंदिर में अग्निहोत्री परिवार के लोग यह अभिषेक करवाते हैं। वर्षों से यह परंपरा चली आ रही है। 1008 लड्डुओं का अर्चन किया जाएगा। वही 100 किलो सूखे मेवे की आहुति भी दी जाएगी।

मंदिर में आने वाले भक्तों को अनंत चतुर्दशी के मौके पर समृद्धि की पोटली भी वितरित की जाएगी।

बता दे की रातानाडा के गजानन मंदिर में महोत्सव के अवसर पर हजारों की संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। एतिहासिक और पौराणिक महत्व होने की वजह से यह स्थल लोगों की आस्था का केंद्र बना हुआ है। महोत्सव को देखते हुए मंदिर परिसर में आकर्षक रंग-बिरंगे लाइटों से सजावट की गई है।

पाली संवाददाता के अनुसार : पाली शहर समेत जिले भर में चतुर्थी का पर्व आज धूमधाम से मनाया जाएगा, जिसको लेकर गणेश मंदिरों को सजाया गया है।

पाली शहर के मुख्य नागा बाबा की बगीची स्थित सिद्ध गणेश का विशेष श्रंगार कर आकर्षक रोशनी से मंदिर को सजाया गया है। मंदिर के महंत सुरेश गिरी के अनुसार सुबह मंगला आरती के पश्चात हवन व ध्वजा चढ़ाई जाएगी। यहां पर सुबह से रात्रि तक गणेश भक्तों की जोरदार भीड़ रहेगी। भक्तों को प्रसाद देने के लिए सैकडो किलो नूक्ति तैयार की गई है। वहीं रात्रि में भक्ति का कार्यक्रम भी होगा। इसी प्रकार बादशाह का झंडा स्थित रिद्धि सिद्धि गणेश,मोती चौक गजानन, सोमनाथ मंदिर के सामने गणेश जी पानी दरवाजा गणेश सहित मंदिरों में गणेश चतुर्थी की तैयारी चल रही है। सड़कों पर दुकानदार गणपति की प्रतिमाएं अपनी बिक्री के लिए मंगल स्कूल चौराया रेलवे स्टेशन चौराहा कॉलेज रोड पर बिक्री के लिए तैयार हैं। जहां पर सुबह ढोल धमाका के साथ गणपति ले जाकर गली मोहल्ले में स्थापित किए जाएंगे। इस बार सभी समाजों की ओर से लड्डू तैयार किया जा रहे हैं। जिनका वितरण भी सुबह होगा। अग्रवाल समाज, माहेश्वरी समाज, माहेश्वरी महोत्सव समिति, माली समाज, घांची समाज, सर्व ब्राह्मण समाज पाल बालाजी सभी जगह लड्डू वितरित होंगे ।

शोभायात्रा निकलेगी आज

जालोर, (कासं)। जालोर में सनातन महोत्सव समिति की ओर से मंगलवार को गणेश चतुर्थी पर्व को लेकर प्रातः 9 बजे बाबा रामदेव मंदिर तिलक द्वार के अंदर जालोर से शोभायात्रा निकाली जायेगी।

समिति के आयोजक ने बताया कि गणेश चतुर्थी महोत्सव के तहत 19 सितम्बर को हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी विशाल शोभायात्रा निकाली जायेगी। शोभायात्रा में हाथी, घोडे के अलावा नौबत नगाडो के साथ अश्व सवार भगवा पताका लहराता नजर आयेगा। वही इसके बाद भगवान गणपति के भक्तजन बैड बाजो की व ढोल ढमाको की धुन पर भक्ति में लीन नजर आयेगे। शोभायात्रा बाबा रामदेव मंदिर तिलकद्वार से रवाना होकर घांचियों की पिलान, सुभाष मार्केट, माणक चौक, गांधी चौक, सूरजपोल, ट्रक यूनियन, कालका कॉलोनी, राजेन्द्र नगर, अस्पताल चौराहा से पुनः बाबा रामदेव मंदिर पहुंचकर महाआरती के साथ सम्पन्न होगी। शोभायात्रा में विभिन्न निजी विद्यालय की ओर से झांकिया आकर्षक का केन्द्र रहेगी।

वहीं विभिन्न संगठनों की ओर से गणेश प्रतिमाओं के समक्ष अपनी आस्था प्रकट की जायेगी। गणेश महोत्सव को लेकर भक्तों में उत्साह देखने को मिल रहा है।

बालोतरा संवाददाता के अनुसार : बालोतरा जिले में मंगलवार को गणेश चतुर्थी का पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा।

जिला कलैक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट राजेंद्र विजय ने बताया कि गणेश चतुर्थी के अवसर पर गणेश मन्दिरों में परम्परागत कार्य म के अन्तर्गत गणेश मूर्ति, पंडाल, मंडप की स्थापना कर पूजा, अर्चना, भजन कीर्तन, गरबा, डांडिया नृत्य शोभा यात्राएं जुलूस निकाल कर तालाब अथवा नदी में गणेश मूर्तियों का विसर्जन किया जाता है।

उन्होंने गणेश चतुर्थी पर्व के दौरान जिले में साम्प्रदायिक सौहार्द तथा कानून एवं शान्ति व्यवस्था बनाये रखने हेतु दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 22 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए संबंधित उपखंड अधिकारियों को मजिस्ट्रेट नियुक्त किया है।

उन्होंने समस्त मजिस्ट्रेट, तहसीलदार एवं कार्यपालक मजिस्ट्रेट को निर्देश दिये कि वे गणेश चतुर्थी पर्व के दौरान अपने-अपने क्षेत्र में साम्प्रदायिक सौहार्द, कानून व शान्ति व्यवस्था एवं निगरानी की समस्त व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

गणेश चतुर्थी पर्व पर जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट राजेंद्र विजय ने जिले वासियों को शुभकामनाएं दी तथा गणेश चतुर्थी पर्व के दौरान साम्प्रदायिक सौहार्द, कानून व शान्ति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की।

मेहरा ने किया भोपालगढ़ के मतदान केंद्रों का निरीक्षण

जोधपुर, (कासं)। सम्भागीय आयुक्त बीएल मेहरा ने सोमवार को जोधपुर ठ्रामीण के भोपालगढ़ में विधानसभा आम चुनाव की तैयारियों के संबंध में उपखंड अधिकारी के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए।

मेहरा ने उपखंड अधिकारी (ईआरओ) भोपालगढ़ से विधानसभा क्षेत्र भोपालगढ़ की मतदाता सूचियों की प्रगति का जायजा लिया गया। उन्होंने बीएलओ के कार्य की विस्तृत समीक्षा की।

सम्भागीय आयुक्त ने भोपालगढ़ विधानसभा क्षेत्र के कुड़ी एवं अरटिया कला मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया।निरीक्षण दौरान बीएलओ द्वारा मतदाता सूचियों के संबंध में नाम जोड़ने, विलोपन, स्थानान्तरण प्रक्रिया के फार्म के साथ दस्तावेजों की जांच की गई। साथ ही उन्होंने निर्देश दिए कि नवमतदाताओं के नाम जोडने के लिए उनके जन्मतिथि का प्रमाण स्वरूप अंकतालिका या विद्यालय से जारी दस्तावेज जिसमें आयु संबंधी प्रमाण की जांच उपरांत नाम जोड़े। जिससे अपात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में नहीं जुड़े।

मेहरा ने एम आधार एप्प के माध्यम से आधार कार्ड में आयु संबंधी जांच करने के लिए निर्देशित किया गया। मतदाता सूची में अस्पष्ट मतदाताओं के फोटो को चिन्हित कर सही करने के लिए बीएलओ को निर्देशित किया गया। साथ ही बीएलओ रजिस्टर प्रमाणीकरण करने के निर्देश प्रदान किए। नए मतदान केंद्रों का बीएलओ द्वारा अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार कर मतदाताओं को अवगत करवाने के निर्देश प्रदान किये गये।

बीएलओ एवं सुपरवाईजर से चर्चा कर घर-घर सर्वे बीएलओ एप्प पर पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया गया। मतदान केंद्रों पर मूलभूत सुविधाओं के संबंध में चर्चा कर आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सम्भागीय आयुक्त ने उपखंड एवं ईआरओ कार्यालय का निरीक्षण किया और विधानसभा आम चुनाव 2023 की तैयारियों का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए। इस दौरान उपखंड अधिकारी नानगा राम, वृताधिकारी प्रेमकुमार चौधरी एवं संबंधित कार्मिक उपस्थित रहे।

करंट की चपेट में आने से सांड की मौत

बालोतरा, (निसं)। बालोतरा कस्बे में डिस्कॉम की लापरवाही के कारण शनिवार को बिजली करंट से एक सांड की मौत हो गई। बिजली ट्रांसफार्मर के पास गंदगी व कीचड पसरे होने से आवारा सांड विचरण करते रहते हैं। बिजली के चपेट में से सांड की मौत हो गई। सरकारी लाइनमैन की एवजी में ज्यादातर निजी लाइनमैन लापरवाही से फॉल्ट निकालते समय तार खुला छोड़कर चले जाते हैं। वहीं ट्रांसफार्मर के नीचे सब्जी विक्रेता सड़ी गली सब्जियां डाल देते हैं। इससे आवारा पशु विचरण करते रहते हैं।

नगरपालिका प्रशासन कस्बे के मुख्य जगहों पर कचरा पात्र नहीं लगाने के कारण लोग खुले में कचरा व खाने पीने की वस्तुएं डालते हैं। नगर पालिका की लापरवाही का खामियाजा आमजन भुगतने पर मजबूर हैं।

नाले में मिले शव की हुई पहचान

जोधपुर, (कासं)। शहर के बासनी औद्योगिक क्षेत्र गली नंबर सात स्थित जोधाणा चौराहा के समीप नाले में मिले शव की पुलिस ने पहचान की। शव को आज कार्रवाई के बाद परिजन के सुपुर्द किया गया। नाले कैसे गिरा इसका पता नहीं चल पाया है।

बासनी पुलिस ने बताया कि रविवार को गली नंबर 7 स्थित जोधाणा चौराहा के समीप नाले के बहते पानी में एक व्यक्ति का शव मिला था।

कल्प सूत्र में ऋृषभदेव के सौ पुत्रों, दीक्षा, नमि-विनमि का हुआ विशेष उल्लेख

भीनमाल, (निसं)। स्थानीय महावीर स्वामी जैन मंदिर धर्मशाला प्रांगण में जैन समाज के वरिष्ठ मुनिराज हितेशविजय म. सा. ने पर्युषण महापर्व के सातवे दिन सोमवार को कल्पसूत्र का वांचन करते हुए ऋषभ देव के तेरह भवों तथा उनके पांच कल्याणकों के बारे में बताया। प्रभु ऋषभदेव का मरूदेवी की कुक्षि में अवतरण, कुलकारों की उत्पत्ति एवं नीति प्रचार, प्रभु का जन्म, नाम-वंश स्थापना, विवाह, ऋषभदेव की सन्तति, राज्याभिषेक और विनीता नगरी की स्थापना का वर्णन किया। इनके सौ पुत्रों के नाम, दीक्षा, तापसों की प्रवृति के साथ पुत्र रूप में नमि - विनमि की जानकारी दी। जैन मुनि ने अन्तराय कर्म के उदय से प्रभु द्वारा किया गया वार्षिक तप तथा इसका पारणा श्रेयांसकुमार का आठ भव का सम्बन्ध, आहारान्तरायकर्म कैसे बांधा तथा धर्म च पीठ की स्थापना सहित, बॉग देने की प्रवृति का उल्लेख किया। कल्पसूत्र के वाचन में चौबीस तीर्थकरों का परिचय दर्शक यंत्र का भी विशेष उल्लेख किया गया। मुनिराज जीतचंद विजय म सा का कैश लोचन भी धर्म सभा में उपस्थित श्रोताओं के समुख किया गया।

चौपासनी में सैनिक स्कूल खोलने के निर्णय से खुशी व्याप्त

जोधपुर, (कर.सं.) । चौपासनी विद्यालय परिसर में हनवन्त चौपासनी स्कूल में सैनिक स्कूल खोलने के केंद्र सरकार के रक्षा मंत्रालय की सैनिक स्कूल सोसायटी के निर्णय की विभिन्न संस्थाओं ने सराहना की व शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक कदम बताया।

चौपासनी शिक्षा समिति के सचिव छोटू सिंह बुचेटी ने कहा कि वर्षो से चौपासनी स्कूल में सैनिक स्कूल खोलने के प्रयास चल रहे थे। जब सिद्धार्थ सिंह रोहिट चौपासनी शिक्षा समिति के अध्यक्ष रहे तब सैनिक स्कल के लिए मुख्य संरक्षक महाराजा गज सिंह के मार्गदर्शन में सार्थक प्रयास हुए थे। उस समय निरीक्षण कमेटी भी आई थी। प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी थी । उन्होंने बताया कि उसी का परिणाम है कि केंद्र के रक्षा मंत्रालय द्वारा चौपासनी विद्यालय परिसर में सैनिक स्कूल खोलने का सार्थक व ऐतिहासिक निर्णय हुआ।

राज्य सैनिक कल्याण सलाहकार समिति के अध्यक्ष मानवेंद्र सिंह जसोल ने चौपासनी विद्यालय में सैनिक स्कूल खोलने के निर्णय को ऐतिहासिक व सही बताया और इसकी सराहना की ।

सैनिक स्कूल के लिए चौपासनी शिक्षा समिति के मुख्य संरक्षक महाराजा गज सिंह ने लगातार उच्च स्तर पर प्रयास किए इसका परिणाम अब सामने आया है ।

राजनाथ व गजेंद्र का आभार जताया

सैनिक स्कूल खोलने के निर्णय के लिए केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ,केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत व मुख्य संरक्षक महाराजा गज सिंह का चौपासनी शिक्षा समिति के अध्यक्ष किशन सिंह जसोल ,पूर्व अध्यक्ष सिद्धार्थ सिंह रोहिट , मौसम विभाग के पूर्व महानिदेशक डॉ लक्ष्मण सिंह राठौड़ , उपाध्यक्ष गजेंद्र पाल सिंह पोषणा , कोषाध्यक्ष दलपत सिंह खीची , डॉ समरजीत सिंह दासपा , कर्नल शंभू सिंह देवडा , चौपासनी शिक्षा समिति जनरल काउंसिल सदस्य राघवेंद्र प्रताप सिंह झालामंड ,दुर्जन सिंह चौरडिया, राम सिंह रोहिणा ,छोटू सिंह उदावत, डॉ गणपत सिह , अजीत सिंह भाटी , आनद सिंह जोधा , बिशन सिंह भाटी , राजेन्द्र सिंह लीलिया , गजेन्द्र सिंह कालवी , डो भूपेन्द्र सिंह सोढा शिक्षाविद मनोनित सदस्य डॉ भूपेन्द्र सिंह व पूर्व छात्र मनोनित डॉ शक्ति सिंह रावलोत सहित सभी चौपासनी शिक्षा समिति के सदस्य व स्टॉफ ने आभार जताया। चौपासनी विद्यालय परिसर में सैनिक स्कूल खोलने के निर्णय की पूर्व कैबिनेट मंत्री शंभू सिंह खेतासर ,मारवाड़ राजपूत सभा के अध्यक्ष हनुमान सिंह खांगटा , हनवन्त एजुकेशनल सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ शिव सिंह राठौड़ , चौपासनी शिक्षा समिति के पूर्व अध्यक्ष व आशापुरा माताजी ट्रस्ट नाडोल के अध्यक्ष करण सिंह उचियारडा , पूर्व जेडीए चेयरमैन डॉ महेंद्र राठौड़ , पूर्व विधायक बाबू सिंह राठौड़ , फलोदी राजपूत सभा अध्यक्ष कुंभ सिंह पातावत , महेंद्र सिंह उम्मेद नगर , पीपड़ राजपूत सभा के अध्यक्ष सवाई सिंह रणसी गांव ,कालू सिंह बाला ,महाराजा गज सिंह शिक्षण संस्थान ओसियां अध्यक्ष गोपाल सिंह भलासरिया , जायल राजपूत सभा अध्यक्ष राम सिंह रोहिणा ,शेरगढ़ राजपूत विकास समिति के अध्यक्ष भगवान सिंह तेना ,देवराज हित कारिणी सभा के अध्यक्ष मोती सिंह चौरडिया सिवाची गेट राजपूत सभा भवन के अध्यक्ष पप्पू सिंह उदावत ,मारवाड़ राजपूत सभा के उपाध्यक्ष अर्जुन सिंह रूणकिया , महासचिव के वी सिंह चांदरख व कोषाध्यक्ष जितेंद्र सिंह उदावत ,पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष रविंद्र सिंह भाटी ,रविंद्र सिंह राणावत सहित लोगों ने इस निर्णय की सराहना की।

कूलर से लगे करंट में युवक की मौत

जोधपुर, (कासं)। सूरसागर स्थित कबीर नगर में एक युवक की कूलर से लगे करंट में मौत हो गई। पुलिस ने इस बारे में मर्ग कर शव परिजन को सुपुर्द कर दिया।

सूरसागर पुलिस ने बताया कि कबीर नगर स्थित एक भोजनालय के सामने रहने वाले 48 साल के रफीक मोहम्मद पुत्र बाबू खां को कूलर से करंट लग गया। गंभीर रूप से घायल होने पर परिजन उसे एमडीएम अस्पताल लेकर आए। मगर डॉक्टर ने उसे मृत बता दिया। अब इस बारे में उसके भाई मोहम्मद साबिर ने मर्ग में रिपोर्ट दी है।

सार-समाचार

लोकतंत्र में बड़ी ताकत जनता है : प्रजापत

बालोतरा, (निसं)। बालोतरा के निकट कल्याणपुर पचपदरा विधायक मदन प्रजापत सोमवार को विधानसभा के विभिन्न ग्राम पंचायत का दौरा कर आमजन की समस्याओं को सुना एवं समाधान हेतु अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। प्रजापत ने राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बड़ला (दूदवा) में आयोजित खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ कर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया व ग्राम पंचायत गोदावास की नव क्रमोन्नत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय शिवनगरी के लोकर्पण कार्यक्रम में शिरकत कर उपस्थित ग्रामीणों से संवाद किया ।तत्पश्चात ग्राम पंचायत गोदावास के परिसर में आयोजित विभिन्न विकास कार्यो का लोकार्पण व शिलान्यास किया। गोदावास कलां से गोदावास खुर्द तक सड़क का शिलान्यास, नव क्रमोन्नत राउमावि गोदावास का लोकार्पण, उप स्वास्थ्य केंद्र गोदावास के निर्माण कार्य का शिलान्यास , गोदावास कलां में मोर कुंड का निर्माण कार्य का शिलान्यास। तथा नवक्रमोन्नत राउप्रावि परालिया धामठ का लोकार्पण किया। इस दौरान उम्मेद सिंह अराबा प्रधान कल्याणपुर, सरपंच रमेश चौधरी, अमराराम चौधरी, दलाराम, तिलाराम गोदारा, श्याम, जुगताराम, जोगाराम कोरणा, करनाराम, ठाकरा राम गोदारा, कालू राम सुथार, लूणाराम गोदारा, नेमाराम गोदारा, प्रहलाद राम गोदारा, विकास अधिकारी, ब्लॉक मुख्य अधिकारी कल्याणपुर व ग्रामीण उपस्थित रहे।

परिवहन विभाग ने बकाया टैक्स मांगा

जालोर, (कासं)। परिवहन विभाग की ओर से यात्री और भार वाहनों के टैक्स की अधिक बाकियात पर एमनेस्टी योजना के तहत 30 सितम्बर तक छूट मिलेगी। इसके पश्चात् विभाग बकाया को लेकर वाहन सीज करने की कार्यवाही कर ब्याज के साथ पैनल्टी भी वसूलेगा। जिला परिवहन अधिकारी छगनलाल मालवीय ने बताया कि बकाया कर प्रकरणों के निस्तारण के लिए परिवहन आयुक्त ने एमनेस्टी योजना का लाभ देने की अंतिम तिथि 30 सितम्बर निर्धारित है। वाहन स्वामी 30 सितम्बर से पहले छूट का लाभ लेते हुए बकाया टैक्स जमा करवाकर प्रकरणों का निस्तारण करवा सकते हैं। इसके पश्चात् जिले में प्रवर्तन कार्यवाही कर बकाया टैक्स वाले वाहनों को सीज किया जाएगा तथा ब्याज और पैनल्टी के साथ टैक्स वसूली की जायेगी। इस पर भी डिफाल्टर रहने पर सीज वाहनों को 90 दिवस बाद नीलाम कर टैक्स वसूला जाएगा। उन्होंने बताया कि एमनेस्टी योजना-2023 के तहत ई-रवन्ना चालानों में भार वाहनों में भारी छूट एवं ट्रैक्टर ट्रोली में अधिकतम सात हजार पांच सौ रूपये का जुर्माना वसूल किया जायेगा। वाहन स्वामी अपने वाहनों के बकाया ई-रवन्ना चालानों में एमनेस्टी योजना में 30 सितम्बर 2023 तक मिल रही छूट का लाभ उठावें।

फसलें भीगने से खराब, मुआवजा मांगा

बालोतरा, (निसं)। बालोतरा जिले के मंडली गांव के किसानों ने मुआवजे की मांग को लेकर सोमवार को कृषि मंत्री व मुख्यमंत्री के नाम से तहसीलदार ओम अमृत को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीण नाथू सिंह भाटी ने बताया कि कल्याणपुर तहसील क्षेत्र मण्डली के गांवों में आस पास गांवों में हुई बरसात से किसानों के खेतों में पक्की हुई और कटी हुई फसल बारिश में भीगकर खराब हो चुकी है। खरीफ 2023 में बिपरजॉय तूफान में हुई अच्छी बरसात से इस बार लोगों ने बंपर बुवाई की, लेकिन निराई गुडाई के लंबे समय से बरसात नहीं हुई। जिससे इस साल उपज भी कम हुई, लेकिन अचानक आई बरसात से किसानों के अरमानों पर पानी फिर गया। अधिकतर किसान फसल बीमा करवाते हैं, लेकिन काफी किसान बीमा से भी वंचित है। विभाग कंपनी की प्रतिनिधि अभी तक फसल खराबी का सर्वे करने भी नहीं पहुंचे हैं। कंपनी के टोल फ्री नंबर पर कॉल नहीं हो पा रहा है। किसानों ने चेतावनी देते हो कहा कि समय रहते हमारे फसल खराबी का मुआवजा नहीं मिला तो समस्त किसान बडे स्तर पर आंदोलन करेंगे। आंदोलन के दौरान कुछ भी अनहोनी होती है तो जिम्मेदार प्रशासन होगा।

भाजपा की यात्रा में साथ चल रहे राजपुरोहित

बालोतरा, (निसं)। भारतीय जनता पार्टी की रामदेवरा से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक यात्रा को हरी झंडी दिखा करके रवाना किया था, तब से ही दुर्ग सिंह राजपुरोहित परिवर्तन यात्रा में लगातार कार्य कर रहे हैं। दुर्ग सिंह राजपुरोहित ने बताया कि यात्रा मांक 3 जो पश्चिमी राजस्थान के 51 विधानसभा यह बाकि तीनों यात्राओं में सबसे लंबी परिवर्तन यात्रा भी है। यात्रा में अभी तक जैसलमेर बाडमेर, बालोतरा, जालौर, सिरोही, पाली, अजमेर, नागौर की विधानसभा में जनसभाएं हो चुकी है। शेष जोधपुर जिला रहा है। जिसमें आज यात्रा ने प्रवेश कर लिया है। जोधपुर में इस यात्रा का समापन 21 सितंबर को होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 सितंबर को चारों यात्राओं का समापन जयपुर में विशाल जनसभा से करने वाले हैं।

भील समाज का सम्मेलन 28 को

जालोर, (कासं)। जालोर जिले के भीनमाल के 72 जिनालय के समीप भीलो कीर ढाणी जोधपुर ,पाली संभाग स्तरीय भील समाज महासम्मेलन को लेकर सभा स्थल का आयोजको ने जायजा लिया। भील समाज के मनोहर राणा ने बताया कि सम्मेलन को लेकर युवा साथियों, कर्मचारी बंधुओं, पंच पटेलों एवं भामाशाह के साथ मिलकर जायजा लिया एवं टीम जिसमें जय किशन विरमाराम,भाखराम,, डॉ रमेश राणा, जिला प्रमुख राजेश राणा, मनोहर राणा, बालकाराम ,मादाराम, जबराराम, मूलाराम, घीसाराम, गोविंद सरपंच सहित कई जने उपस्थित थे।

वर्धमान क्रेडिट को. ऑप. सोसायटी लि.
वन वे रोड, मानपुरा कॉलोनी, जालोर

Reg. No. 1214/N/20.08.2008 Dated: 06.09.2023

सूचना (सोसायटी के सदस्यों के लिए)

वर्धमान क्रेडिट को. ऑप. सोसायटी लि. के जालोर के सदस्यों को सूचित किया जाता है। कि सोसायटी की वार्षिक आमसभा दिनांक 22.09.2023 को प्रातः 11.00 बजे सोसायटी के प्रधान कार्यालय में आयोजित की जायेगी। जिससे आप सभी सदस्यों की उपस्थिति प्राथनीय है।
नोट: निर्धारित कोरम पूरा नही होने पर स्थगित आमसभा की बैठक उसी दिन उसी स्थान पर आधा घण्टा पश्चात प्रारम्भ होगी, विषय सूचित पूर्ववत रहेगी।

प्रबन्ध निदेशक

कार्यालय नगर परिषद जालोर (राजस्थान)
(अस्पताल चौराहा, जोधपुर रोड, जालोर -343001)
Tel. (02973) 222270 E-mail : mbjalore24@yahoo.in

क्रमांक:नपजा/राजस्व/2023/ दिनांक :

॥ उजरदारी ऐतराज सूचना ॥

श्री नरसाराम चौधरी पुत्र श्री छोगा राम, जाति चौधरी, निवासी चौधरीयो का वास, सराना तह. आहोर जिला जालोर द्वारा नामान्तरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त प्लॉट जालोर शहर की आबादी भूमि के खसरा संख्या 1398, जालोर में आया हुआ है। उक्त आवासीय प्लॉट का पट्टा कार्यालय उपखण्ड अधिकारी (कृ.भू.रूपा.) जालोर द्वारा पट्टा सं.-1649, दिनांक 30.06.1997 को श्री सांवलाराम पुत्र बाबराजी भील के नाम से जारी किया गया है। जिसका कुल क्षेत्रफल 1271.11 वर्गगज है। श्री सांवलाराम द्वारा जरिये रजिस्ट्री श्रीमती कमला देवी पत्नी भंवरलाल को बेचान किया गया। श्रीमती कमला देवी एवं राजेन्द्र कुमार पुत्र चम्पालालजी (मुख्तयार) द्वारा जरिये रजिस्ट्री दिनांक 05.03.2021 श्री नरसाराम चौधरी पुत्र श्री छोगाराम को बेचान किया गया। इस प्रकार श्री नरसाराम चौधरी पुत्र श्री छोगाराम के उक्त आवासीय प्लॉट संख्या-51 का कुल क्षेत्रफल 1870 वर्गफीट अर्थात् 173.79 वर्गमीटर का नामांतरण चाहा गया है। उक्त आवासीय प्लॉट के अडौस-पडौस निम्नानुसार है:-

उत्तर :-प्लॉट संख्या- 53, यह भुजा 55 फीट है।
दक्षिण :-प्लॉट संख्या- 49, यह भुजा 55 फीट है।
पूर्व :- प्लॉट संख्या- 50, यह भुजा 34 फीट है।
पश्चिम :- आम रास्ता, यह भुजा 34 फीट है।

अत: सर्वसाधारण को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि इस संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो उक्त सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस की अवधि में अपनी लिखित आपत्ति मय दस्तावेज साक्ष्य सहित निम्न हस्ताक्षकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्रस्तुत आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी। इस प्रकरण से संबंधित प्रार्थना पत्र व संलग्न दस्तावेजों का अवलोकन किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय समय के दौरान इस कार्यालय के राजस्व अनुभाग में आकर किया जा सकेगा। अवगत रहें।

आयुक्त, नगर परिषद, जालोर

राजस्थान सरकार वन विभाग

कार्यालय उप वन संरक्षक वन्य जीव, जैसलमेर

इस कार्यालय अधीन रेंजों में विभिन्न विकास कार्य करवाने हेतु निविदा में वर्णित सामग्री क्रय किए जाने हेतु जारी निविदा का प्रकाशन दिनांक 13.09.2023 को राजकीय वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in एवं https://sppp.rajasthan.gov.in पर अपलोड कर दिया है। निविदाओ का विवरण निम्नानुसार है:-

S.No	Tender ID	NIB Code	UBN No.
1	2023 FORES 366212_1	FOR2324A0630	FOR2324GLOB00751
2	2023 FORES 366389_1	FOR2324A0631	FOR2324GLOB00752

(डॉ. आशीष व्यास)
उप वन संरक्षक वन्य जीव, जैसलमेर

पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट हैदराबाद में कांग्रेस वर्किंग कमेटी की दो दिवसीय बैठक में शामिल होने के बाद सोमवार को जयपुर लौट आये। पायलट की हैदराबाद में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और सोनिया गांधी सहित कई वरिष्ठ नेताओं के साथ राजस्थान विधानसभा चुनाव के संबंध में गहन चर्चा हुई। पायलट 20 सितम्बर से ही पुनः अपने विधानसभा क्षेत्र टोंक में आयोजित कार्यक्रमों में व्यस्त रहेंगे।

सचिन पायलट ऐतिहासिक सी.डब्ल्यु.सी. बैठक के बाद लौटे राजस्थान

वापसी पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं व आम लोगों ने सचिन पायलट का शानदार स्वागत किया

- **सचिन पायलट को तेलंगाना में कांग्रेस के प्रचार की कमान सौंपी गई।**
- **दो दिवसीय बैठक में पायलट ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी व के.सी. वेणुगोपाल व अन्य शीर्ष नेताओं से मुलाकात की।**
- **हैदराबाद में प्रवासी राजस्थानी संगठन ने पायलट का स्वागत किया।**

जयपुर, 18 सितम्बर। कांग्रेस पार्टी की सर्वोच्च कार्यकारी संस्था, सी.डब्ल्यू.सी, की हैदराबाद में हुई 2 दिवसीय बैठक के बाद सचिन पायलट मंगलवार शाम को राजस्थान वापस लौट आए हैं। इस दौरान सचिन पायलट को आगामी तेलंगाना चुनाव के लिए पार्टी के हाई कमान द्वारा प्रचार की जिम्मेदारी भी सौंपी गई थी। सोमवार को सचिन पायलट ने नामपल्ली विधान सभा क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी के लिए जन संपर्क तथा प्रचार भी किया।

2 दिवसीय बैठक के दौरान सचिन पायलट की मुलाकात मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, के सी वेणुगोपाल एवं पार्टी के अन्य शीर्ष नेतृत्व के सदस्यों से हुई। इन बैठकों में आगामी राजस्थान चुनाव और लोक सभा चुनाव से संबंधित एहम मुद्दों पर चर्चा हुई।

हैदराबाद यात्रा के दौरान, पायलट को वहां पर स्थित, प्रवासी राजस्थान संगठन, ने भी सम्मानित किया और उनसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की।

सचिन पायलट 20 सितंबर को अपनी विधान सभा क्षेत्र, टोंक में आयोजित कार्यक्रमों में कई विकास कार्यों का उद्घाटन करेंगे।

मोदी मंत्रिमण्डल ने महिला आरक्षण विधेयक पारित किया

संसद सत्र में विधेयक सदन में पेश किया जायेगा, लोकसभा, राज्यसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण मिलेगा

- **केन्द्र सरकार ने सोमवार शाम तक संसद सत्र का एजेण्डा गुप्त रखा था, शुरु से ही यह अंदेशा लगाया जा रहा था कि, प्रधानमंत्री मोदी कुछ ऐसा करने वाले हैं जिससे देश की स्थिति में आमूल-चूल परिवर्तन हो जायेगा।**
- **केंद्रीय संसदीय कार्यमंत्री प्रहलाद पटेल ने ट्वीट करके महिला आरक्षण विधेयक के संबंध में पुष्टि की। अपने ट्वीट में प्रहलाद पटेल ने लिखा कि, महिला आरक्षण की मांग पूरा करने का नैतिक साहस मोदी सरकार में ही था, जो कैबिनेट की मंज़ूरी से साबित हो गया।**

नई दिल्ली, 18 सितम्बर। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने वाले विधेयक को आज शाम मंजूरी दे दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सोमवार को केंद्र की कैबिनेट बैठक हुई। संसद के एनेक्सी भवन में हुई यह बैठक करीब डेढ़ घंटे चली। इस बैठक के दौरान महिला आरक्षण बिल कैबिनेट से पास हो गया। केंद्रीय संसदीय कार्यमंत्री प्रहलाद पटेल ने ट्वीट करके इसकी पुष्टि की। अपने ट्वीट में प्रहलाद पटेल ने लिखा कि महिला आरक्षण की मांग पूरा करने का नैतिक साहस मोदी सरकार में ही था, जो कैबिनेट की मंज़ूरी से साबित हो गया। इसके बाद उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी का अभिनंदन किया है।

बैठक में प्रधानमंत्री मोदी समेत विभिन्न मंत्री शामिल हुए। संसद के विशेष सत्र का ऐलान होने के बाद से अनुमान लगाए जा रहे थे कि पी.एम. मोदी एक बार फिर चौंकाएंगे। सोमवार को कैबिनेट मीटिंग के दौरान पी.एम. मोदी के अलावा विभिन्न केंद्रीय मंत्री शामिल हुए। इसमें केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, कॉमर्स और इंडस्ट्री मंत्री पीयूष गोयल, संसदीय कार्यमंत्री प्रहलाद जोशी, निर्मला सीतारमण समेत विभिन्न केंद्रीय मंत्री मौजूद थे। वहीं, इस फैसले पर कांग्रेस की भी प्रतिक्रिया आई है। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा कि महिला आरक्षण लागू करने की मांग कांग्रेस लंबे समय से कर रही थी। हम केंद्रीय कैबिनेट के इस फैसले का स्वागत करते हैं और बिल से जुड़ी जानकारियों का इंतजार कर रहे हैं। रमेश ने कहा कि विशेष सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक में इस पर अच्छी तरह से चर्चा की जा सकती थी और पर्दे के पीछे की राजनीति के बजाय आम सहमति बनाई जा सकती थी।

जयराम रमेश ने अपने एक पुराने पोस्ट का हवाला दिया, जिसमें महिला आरक्षण विधेयक की पृष्ठभूमि का हवाला दिया गया था। उन्होंने कहा था कि सबसे पहले राजीव गांधी ने 1989 के मई महीने में पंचायतों और नगर पालिकाओं में महिलाओं को एक-तिहाई आरक्षण के लिए संविधान संशोधन विधेयक पेश किया था। वह विधेयक लोकसभा में पारित हो गया था, लेकिन सितंबर 1989 में राज्यसभा में पारित नहीं हो सका था। रमेश के अनुसार, अप्रैल 1993 में तत्कालीन प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिम्ह राव ने पंचायतों और नगर निकायों में महिलाओं को एक-तिहाई आरक्षण के लिए संविधान संशोधन विधेयक को फिर से पेश किया था। दोनों विधेयक पारित हुए और कानून बन गए। आज पंचायतों और नगर निकायों में 15 लाख से अधिक निर्वाचित महिला प्रतिनिधि हैं। यह आंकड़ा 40 प्रतिशत के आसपास है। उन्होंने कहा था कि राज्यसभा में पेश/पारित किए गए विधेयक समाप्त नहीं होते हैं। इसलिए महिला आरक्षण विधेयक अभी भी मौजूद है। कांग्रेस पार्टी पिछले नौ साल से मांग कर रही है कि महिला आरक्षण विधेयक, जो पहले ही राज्यसभा से पारित हो चुका है, उसे लोकसभा से भी पारित कराया जाना चाहिए।

गौरतलब है कि सर्वदलीय बैठक के दौरान भी महिला आरक्षण को लेकर चर्चा हुई थी। वहीं, कांग्रेस ने लोकसभा में मंगलवार को महिला आरक्षण विधेयक पेश करने और इसे सर्वसम्मति से पारित कराने की सत्ता पक्ष से मांग की थी। वहीं, कैबिनेट मीटिंग को लेकर खूब कयासबाजी चल रही थी। अनुमान लगाए जा रहे थे कि कैबिनेट मीटिंग में महिला आरक्षण बिल पर चर्चा कर सकती है। वहीं, कुछ लोगों का ऐसा भी कहना कि वन नेशन, वन इलेक्शन पर बात होने की उम्मीद है। विपक्ष और सत्ता पक्ष दोनों ही तरफ से महिला आरक्षण बिल को लेकर जोर दिया जा रहा था। इसलिए सबसे ज्यादा अनुमान इसी को लेकर था। सोमवार को संसद के विशेष सत्र के संबोधन के दौरान भी पी.एम. मोदी ने इस बारे में संकेत दिए थे। उन्होंने कहा कि संसदीय इतिहास के प्रारंभ से अब तक दोनों सदनों में कुल मिलाकर लगभग 7500 सदस्यों ने प्रतिनिधित्व किया है जिनमें करीब 600 महिला सदस्य रही हैं। उन्होंने कहा कि धीरे-धीरे महिला सदस्यों की संख्या बढ़ती गयी है। माना जा रहा था कि यह महिला आरक्षण का संकेत है।

पहली बार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भाषण में उन्होंने कहा, नेहरू के "ट्रिस्ट विद डैस्टिनी" भाषण की गूंज भावी पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।

नेहरू ने, 15 अगस्त 1947 को राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कहा था कि, "आधी रात के समय जब दुनिया सो रही होगी, भारत जीवन और स्वतंत्रता में आँखें खोलेगा।"

मोदी ने कहा, "आज भारत की 75 वर्षों की संसदीय यात्रा को याद करने का अवसर है। हम भले ही नई ईमारत में शिफ्ट हो रहे हैं लेकिन यह भवन आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा, क्योंकि यह भारतीय प्रजातंत्र की यात्रा का "स्वर्णिम अध्याय" है।

खड़गे और राहुल गांधी 23 सितंबर को जयपुर आयेंगे

दोनों नेता कांग्रेस के नये बनने वाले प्रदेश मुख्यालय का शिलान्यास करेंगे

- **कांग्रेस का प्रदेश मुख्यालय, शिप्रा पथ पर सिटी पार्क के सामने बनेगा। कार्यालय के लिए 6000 वर्ग गज जमीन आवंटित की गई है।**
- **राहुल व खड़गे कांग्रेस के विभिन्न स्तर के 55 हजार पदाधिकारियों के साथ संवाद भी करेंगे।**

जयपुर, 18 सितम्बर (का.प्र.)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और सांसद राहुल गांधी 23 सितंबर को जयपुर आयेंगे और राजस्थान कांग्रेस के नए मुख्यालय का शिलान्यास करेंगे।

मुख्यालय के शिलान्यास के बाद राजस्थान कांग्रेस की सभा के साथ कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम भी तय किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों के जरिए राजस्थान कांग्रेस अपने चुनावी अभियान की शुरुआत भी करेगी। इस सभा के जरिए कांग्रेस के बूथ लेवल से लेकर जिला स्तर तक के पदाधिकारियों को चुनावी टास्क दिए जाएंगे।

राजस्थान कांग्रेस ने इस कार्यक्रम के लिए 55 हजार पदाधिकारियों को बुलाया है। जानकारी के अनुसार कांग्रेस के 52 हजार बूथ अध्यक्षों, 2200 मंडल अध्यक्षों, 400 ब्लॉक अध्यक्षों, 40 जिलाध्यक्षों और पार्टी पदाधिकारियों को इस सभा में बुलाया गया है। कार्यक्रम की तैयारी देखने के बाद कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे को 23 सितंबर को नए प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय के भवन के शिलान्यास का निमंत्रण दिया गया है। शिलान्यास के बाद सभा रखी गई है। हमारे बूथ अध्यक्षों से लेकर सभी पदाधिकारियों को बुलाया है। सरकार से हमने नए भवन के लिए जमीन आवंटित करवाई है। सभी औपचारिकताएं पूरी कर दी गई हैं। मानसरोवर में शिप्रा पथ पर नए सिटी पार्क के सामने पीसीसी की बिल्डिंग बनेगी। कांग्रेस मुख्यालय बनाने के लिए 6000 वर्ग गज जमीन अलॉट हो चुकी है। नए मुख्यालय के प्रोजेक्ट पर करीब 80 करोड़ की लागत आएगी। प्रदेश कांग्रेस ने पहले 23 अगस्त को शिलान्यास का कार्यक्रम प्लान किया था, लेकिन राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे से समय नहीं मिलने के कारण इसे टाल दिया गया। अब नए सिरे से कार्यक्रम बनाया है। कांग्रेस के नए मुख्यालय में प्रदेशाध्यक्ष से लेकर पदाधिकारियों के अलग-अलग चैंबर बनेंगे। कांग्रेस के साथ ही यूथ कांग्रेस, एन.एस.यू.आई., महिला कांग्रेस, सेवा दल के मुख्यालय भी इसी नए भवन में होंगे। कांग्रेस के सभी प्रकोष्ठ, विभागों के दफ्तर एक जगह इसी मुख्यालय में होंगे। नए मुख्यालय में कांग्रेस के इतिहास से जुड़ा मिनी म्यूज़ियम भी बनेगा।

इस वर्ष ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और प्रतिभूति लेन-देन कर सहित व्यक्तिगत आयकर (पी.आई.टी.) 447291 करोड़ रुपये रहा है। इस अवधि में प्रत्यक्ष कर का सकल संग्रह 9,87,061 करोड़ रुपये रहा जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 8,34,469 करोड़ रुपये की तुलना में 18.29 प्रतिशत अधिक है।

अन्नाद्रमुक ने तमिलनाडू ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अन्नामलाई पर बरसते हुए उन्होंने कहा, "वे अहंकारी हैं। दोनों के बीच गठबंधन नहीं है, इसका निर्णय चुनाव के समय ही हो सकता है। अचानक वे हमारे नेताओं की आलोचना कर रहे हैं, जिसे हम बर्दाश्त नहीं कर सकते। हमने यह मामला भाजपा हाई कमान के सामने भी उठाया, उसके बावजूद वे ऐसा कर रहे हैं तो भाजपा की जानकारी से ही हो रहा है।

11 सितम्बर को हिंदू रिलिजस एण्ड चैरिबेटल एन्डाओमैंट्स मंत्री पी.के. शेखरबाबू ने यहां सनातन धर्म हटाओ सम्मेलन का नेतृत्व किया था तब अन्नामलाई ने अन्नादुराई के खिलाफ बयान दिया था।

झारखण्ड के मु.मंत्री को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका

नई दिल्ली, 18 सितंबर (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने कथित अवैध खनन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ई.डी.) के समन को चुनौती देने वाली झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की याचिका सोमवार को खारिज करते हुए उन्हें झारखंड उच्च न्यायालय दरवाजा खटखटाने को कहा।

न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस और बेला एम त्रिवेदी की पीठ ने सोरेन के वकील मुकुल रोहतगी से कहा कि वो राहत के लिए पहले उच्च न्यायालय के समक्ष याचिका दायर करें।

पीठ की अध्यक्षता कर रहे न्यायमूर्ति बोस ने याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए कहा, आप (सोरेन) उच्च न्यायालय क्यों नहीं जाते? पहले आप वहां जाएं।

चुनाव आयुक्तों का दर्जा घटाने के विधेयक से सरकार ने हाथ पीछे खींचे

- **चुनाव आयुक्तों का दर्जा घटाने और उनकी नियुक्ति वाले पैनल से सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस को हटाने वाले विधेयक को सरकार ने संसद के विशेष सत्र के एजेंडे से हटा लिया है।**

नई दिल्ली, 18 सितम्बर। चुनाव आयुक्तों का दर्जा घटाने और उनकी नियुक्ति वाले पैनल से सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस को हटाने वाले बिल को सरकार ने संसद के विशेष सत्र के एजेंडे से हटा लिया है। सरकार ने रविवार को जिन 8 बिलों के बारे में विपक्ष को जानकारी दी है, उनमें चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में बदलाव करने वाला बिल शामिल नहीं है। सरकारी सूत्रों का कहना है कि सरकार चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में संशोधन वाले बिल में कुछ बदलाव करने पर विचार कर रही है। अब नए सिरे से बदलाव किए जाने के बाद ही बिल को सदन में मंजूरी के लिए पेश किया जाएगा।

दरअसल यह चर्चा थी कि सरकार चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में बदलाव वाला बिल इसी सेशन में पेश करेगी। इसके तहत आयुक्तों को सुप्रीम कोर्ट के जज के दर्जे की बजाय कैबिनेट सचिव वाली हैसियत दी जानी थी। इसका तीखा विरोध हो रहा था। विपक्ष इसे चुनाव आयोग की स्वायत्ता से समझौता बता रहा था को वहीं 9 पूर्व चुनाव आयुक्तों ने पी.एम. मोदी को खत भी लिखा था। सरकारी सूत्रों का कहना है कि अब सरकार खुद अपने स्तर पर भी बदलाव की जरूरत महसूस कर रही है। इसीलिए बिल को कुछ वक्त के इंतजार और संशोधन के बाद ही पेश किया जाएगा।

इस बिल को लेकर सबसे बड़ी आपत्ति यह भी है कि आखिर चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से चीफ जस्टिस को क्यों हटाया जा रहा है। मौजूदा नियमों के मुताबिक चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति वाले पैनल का चीफ जस्टिस भी हिस्सा होते हैं। इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट ने इसी साल मार्च में आदेश दिया था।

जे.डी.एस. सांसद को राहत

नई दिल्ली, 18 सितंबर (वार्ता)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के पोते प्रज्वल रेवन्ना की संसद सदस्यता रद्द करने के कर्नाटक उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगा दी। मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने इस मामले में संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद उच्च न्यायालय के एक सितंबर के आदेश पर रोक लगाने का आदेश पारित किया।

केरल और ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उपस्थिति नाममात्र की है।

लेकिन बड़ा खतरा यह है कि, इससे गठबंधन के अन्य घटकदल बड़ी सौदेबाजी करने के लिये तथा अपनी क्षमता से बढ़कर दावेदारी करने के लिये प्रेरित-प्रोत्साहित हो सकते हैं। अरविन्द केजरीवाल की "आप" तथा कांग्रेस दिल्ली और पंजाब में सीट-शेयरिंग के मामले में पहले से ही परस्पर उलझ रहे हैं। राष्ट्रीय राजधानी तथा पंजाब में कांग्रेस की राज्य इकाइयों के नेता पार्टी नेतृत्व को सीट-शेयरिंग व्यवस्था की अवहेलना करने सलाह दे रहे हैं। साफ जाहिर है कि, इस प्रकार की घटनाओं से भाजपा को पूरा मौका मिल जायेगा, नवगठित विपक्षी गठबंधन में एकता के अभाव की आलोचना करने का। लेकिन, जैसा कि इंडिया गठबंधन के नेता घोषणा कर चुके हैं, वे, जहाँ तक संभव होगा, वन-टु-वन की लड़ाई ही रखना चाहेंगे।

सूत्रों ने कहा कि, उन राज्यों में, जहाँ कांग्रेस, भाजपा की मुख्य प्रतिद्वंद्वी है, सहमति /समझौते तक पहुँचने की कोशिश की जायेगी। इन राज्यों में गुजरात, राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा तथा हिमालचल प्रदेश जैसे राज्य शामिल हैं।

'प्लेटफॉर्म पर रहने वाला एक शख्स संसद तक पहुंच गया'

- **प्रधानमंत्री मोदी पुराने संसद भवन में अपने आखिरी संबोधन के दौरान बेहद भावुक हो गये।**
- **प्रधानमंत्री मोदी ने संसद में शोर-शराबे और वॉकआउट के संबंध में विपक्ष को आड़े हाथों लेते हुये कहा कि, रोने-धोने के लिए बहुत समय पड़ा है, संसद सत्र बहुत छोटा है, इसे उपयोगी बनायें।**

नई दिल्ली, 18 सितम्बर। संसद के विशेष सत्र के पहले दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि, आज यह पुराने भवन में आखिरी दिन है। कल से हम नए संसद भवन में शिफ्ट होंगे और नई शुरुआत होगी। लेकिन यह भवन हमारे लिए साझी विरासत रहा है और तमाम प्रेरक पल यहां से जुड़े रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी इस दौरान भावुक भी नजर आए और कहा कि इसी संसद भवन से हमारी तमाम यादें भी जुड़ी हैं, जो झकझोर देती हैं। उन्होंने अपनी जीवन यात्रा का भी इस दौरान जिक्र किया और कहा कि प्लेटफॉर्म पर रहने वाला एक शख्स संसद तक पहुंच गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्ष के विरोध की आशंकाओं को थामने के लिए कुछ ऐसी बातें कहीं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि, संसद सत्र बहुत छोटा है इसे उपयोगी बनायें, रोने-धोने के लिए बहुत समय पड़ा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, जब मैं पहली बार सांसद के रूप में इस भवन में आया, तो सफल रूप से मैंने इस संसद भवन की पटल पर अपना सिर झुकाकर आया था। इस लोकतंत्र के मंदिर में श्रद्धाभाव से मैंने कदम रखा था। भारत के लोकतंत्र की ताकत है कि रेल प्लेटफॉर्म पर गुजारा करने वाला गरीब करने वाला संसद पहुंच गया। मैंने कभी कल्पना नहीं की थी कि देश मुझे इतना सम्मान देगा। उन्होंने कहा कि इस भवन को बनाने का फैसला भले ही अंग्रेजी हुकूमत का था, लेकिन इसके निर्माण में परिश्रम और पैसा देश के लोगों का ही लगा था।

इस 75 वर्ष की हमारी यात्रा ने हमें कई यादें दी हैं। भले ही हम नए भवन में जा रहे हैं, लेकिन यह भी आने वाली पीढ़ियों को हमेशा प्रेरणा देता रहेगा।

पुराने भवन की यादों को लेकर पी.एम. मोदी ने कहा कि इस सदन से विदाई लेना भावुक पल है।

कांग्रेस का चतुर दांव...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इतिहास का उल्लेख किया तथा कांग्रेस शासन के दौरान लाई गई उन 20 प्रमुख योजनाओं का उल्लेख किया, जिन्होंने भारत के इतिहास की दिशा बदल दी। उन्होंने कांग्रेस द्वारा लाये गये सभी प्रमुख कानूनों के उल्लेख के साथ ही, दासता-उन्मूलन का उल्लेख किया। खड़गे ने कहा, "नेहरु जी का मानना था कि मजबूत विपक्ष की गौरमौजूदगी का अर्थ है कि, सिस्टम में उल्लेखनीय कमियाँ एवं खामियाँ हैं। अगर सशक्त विपक्ष नहीं है, तो यह अच्छी बात नहीं है। अब, जब सशक्त विपक्ष है तो इसे ई.डी., सी.बी.आई.-- के जरिये कमजोर करने पर फोकस किया जा रहा है।" जवाहर लाल नेहरु तथा राष्ट्र-निर्माण में उनके योगदान को याद करते हुये, कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, "नेहरु जी ने बड़े मुश्किल समय में भारत का नेतृत्व किया। वे भारत की आजादी की खातिर 14 वर्ष जेल में रहे। नये संसद भवन में पहुंच जाने मात्र से, कुछ नया नहीं हो जायेगा।" उन्होंने कहा, भाजपा को उनके (नेहरु) बारे में अपमानजनक बातें करना बंद कर देना चाहिये।

खड़गे ने यह आरोप भी लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा में केवल दो बार बयान दिये हैं तथा उन्होंने इसकी (जवाब देने की) तुलना पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी तथा मनमोहन सिंह से की है। उन्होंने कहा, "अपने कार्यकाल में, अटल बिहारी वाजपेयी ने 21 बार तथा मनमोहन सिंह ने 30 बार बयान दिये थे।" उन्होंने आगे कहा, "किन्तु प्रधानमंत्री मोदी ने चन्द "प्रथागत एवं औपचारिक टिप्पणियों" के अलावा केवल दो बार ही बयान दिये हैं।"

'भाजपा सनातन धर्म का मुद्दा मूल मसलों...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सिंह ने कथित रुप से पार्टी से कहा कि, पार्टी इस पूरे मुद्दे पर बहुत सतर्कतापूर्ण तरीका अपनाये।

भाजपा के सांप्रदायिक एजेंडा का मुकाबला करने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मलिल्कार्जुन खड़गे ने मांग की कि, 2021 की जनगणना प्रक्रिया को तुरंत आरंभ किया जाय, जिसमें जाति आधारित जनगणना भी हो। उन्होंने मोदी सरकार पर आरोप लगाया कि, जनगणना करवाने में विलंब के कारण 14 करोड़ लोग भोजन का अधिकार कानून से वंचित हैं और लगभग 18 प्रतिशत लोग मनरेगा के दायरे से बाहर हैं।

इसके साथ ही महिला मतदाताओं को दृष्टिगत रखते हुए कांग्रेस ने एक प्रस्ताव पारित कर मांग की कि, कांग्रेस के नेतृत्व वाली मनमोहन सरकार के दौरान राज्यसभा से पारित महिला आरक्षण विधेयक को 18 सितंबर से आरंभ हो रहे लोकसभा के विशेष सत्र में पारित करवाना चाहिए। कांग्रेस ने जोर दिया कि, महिलाओं को निर्वाचित निकायों में 33 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए पार्टी राजीव गांधी सरकार के समय से ही प्रतिबद्ध है।

जिन राज्यों में चुनाव होने वाले हैं, उनके राज्य पार्टी प्रमुखों ने पार्टी के सर्वोच्च निर्णय लेने वाले मंच को अपने राज्यों की स्टेटस रिपोर्ट पेश की। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि, सबसे ज्यादा एकजुटता की जरूरत है। जिससे आगामी चुनाव में जीत मिल सके।

खड़गे ने इस बात पर भी जोर दिया कि, नेताओं को आत्म नियंत्रण रखना चाहिए और अपने पार्टी सहयोगियों या पार्टी के विरूद्ध मीडिया में बयान देने से बचना चाहिए ताकि संगठन के हितों का नुकसान न हो।

उन्होंने कहा, "इसी तरह संगठनात्मक एकता बहुत जरूरी है। केवल एकता और अनुशासन से ही हम अपने विरोधियों को हरा सकते हैं। यह कर्नाटक में स्पष्ट हो गया जहां हमने एकता और अनुशासन से विजय प्राप्त की।"

खड़गे ने कहा, "मैं यहां मौजूद राज्य अध्यक्षों संसदीय दल के सदस्यों से पूछना चाहूंगा-क्या मंडल, ब्लॉक और जिला स्तर पर आपकी समितियां तैयार हैं? क्या हम उन्हें नियमित रुप से कार्यक्रम दे रहे हैं। क्या हमने संभवित प्रत्याशियों का चयन आरंभ कर दिया।

हैदराबाद की बैठक में जो चर्चाएं हुईं और प्रस्ताव पारित किए गए वे पार्टी के बढ़ते आत्मविश्वास के सूचक हैं। जो पार्टी विभाजित और दिशाहीन थी, उसे अध्यक्ष के चुनाव और राहुल गांधी की चार माह लंबी भारत जोड़ो यात्रा ने एक दृढ़ व समर्पित संगठन में बदल दिया। अब, संगठन ऐसी सरकार को हराने के लिए प्रतिबद्ध है जिसने सभी संस्थाओं को खतरे में डाल दिया और जो महात्मा गांधी द्वारा स्वाधीनता संग्राम में प्रतिपादित किए गए "भारत के विचार" को दफनाने की कोशिश में है।

अडानी केस में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिसमें वर्तमान समिति के कुछ सदस्यों के हितों के टकराव पर चिंता व्यक्त की गई है। मार्च 2023 में शीर्ष कोर्ट ने हिंडनबर्ग रिपोर्ट में अडानी समूह के विरूद्ध लगाए गए आरोपों की जांच और नियमन की संभावित असफलताओं की जांच के लिए समिति गठित की थी।

समिति की अध्यक्षता कर रहे हैं जस्टिस (रिटायर्ड) अभय मनोहर सप्रे और सदस्यों में शामिल हैं ओ.पी. भट्ट, जस्टिस पी. देवधर, के.वी. कामथ, नंदन नीलकेणि और सोमसुंदर सुंदरेशन। आवेदन में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के पूर्व अध्यक्ष ओ.पी. भट्ट को शामिल करने पर ऐतराज उठाया गया है, जो वर्तमान में अक्षय ऊर्जा कम्पनी ग्रीन्को के अध्यक्ष हैं। इसमें कहा गया है कि, ग्रीन्को और अडानी समूह की मार्च 2022 से गहरी भागीदारी है, भारत में अडानी की सुविधाओं को ऊर्जा प्रदान करने के लिए।

याचिकाकर्ता ने पहले समिति के एक अन्य सदस्य सोमशेखर सुंदरेशन पर भी ऐतराज किया था क्योंकि वे सेबी बोर्ड सहित विभिन्न मंचों पर अडानी का प्रतिनिधित्व कर चुके थे। सुप्रीम कोर्ट में हिंडनबर्ग रिपोर्ट से संबंधित कई याचिकाएं दायर की गई हैं, जिनमें निवेशकों के हितों को सुरक्षित रखने की नियमन प्रक्रिया भी शामिल हैं। 24 जनवरी की हिंडनबर्ग रिपोर्ट ने आरोप लगाया था कि, अडानी समूह ने शेयरों में हेराफेरी तथा धोखाधड़ी की थी, हालांकि अडानी समूह ने इसे एक अनैतिक झूठ बताकर इससे इंकार किया है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908

MARUTI SUZUKI

NEXA

BUILT TOUGH TO THRILL ON EVERY TERRAIN.

CREATE. INSPIRE.

Scan the QR code for more details about the Ignis.

IGNIS
COMPACT URBAN SUV

17.78 cm SmartPlay Studio (Available from Zeta variant onwards)

Auto Gear Shift

Spacious and Comfortable Interiors

Automatic Climate Control

1.2L VVT Petrol Engine

NEXA Safety Shield
Standard Across All Variants

- SUZUKI-TECT BODY
- DUAL FRONT AIRBAGS
- ESP
- SEAT BELT PRE-TENSIONERS WITH FORCE LIMITERS
- ISOFIX CHILD SEAT ANCHORAGES
- PEDESTRAIN PROTECTION COMPLIANCE
- FULL FRONTAL IMPACT COMPLIANCE, FRONTAL OFFSET IMPACT COMPLIANCE, SIDE IMPACT COMPLIANCE

*Features and accessories shown may not be part of standard fitment. Black Glass Shade on the vehicle is due to the lighting effect. Images used are for illustration purposes only. For details on functioning of safety features, including air bags, kindly refer Owner's Manual.

VISIT YOUR NEAREST NEXA DEALERSHIP TO AVAIL EXCITING OFFERS.

Contact us at
1800-200-[6392]
1800-102-[NEXA]
www.nexaexperience.com
NOW YOU CAN ALSO BOOK ONLINE

JODHPUR: NEXA CHOPASNI ROAD (LMJ SERVICES PVT. LTD. PH: 7230013811), **NEXA SHASTRI CIRCLE** (AURIC MOTORS PH: 8875012697).

SMART FINANCE
AN ONLINE END-TO-END CAR FINANCE SOLUTION
Scan to know more.
- Multiple financiers
- Digital Document Upload
- Live Loan status
- Complete transparency (associated fees & charges)

*Offers vary across variants. Maruti Suzuki India Limited reserves the right to discontinue offers without notice. For more details, please contact your nearest NEXA dealership.